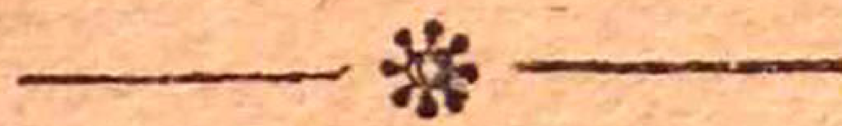


बंशीरागमाला॥



जिसमें

षट् राग अर्थात् भैरव, मेघ, श्री, बसन्त, करनाट, हिंडोलादि प्रत्येक रागोंकी छः छः रागनियों सहित स्वर स्वरूप व तालस्वभाव गुण भेद कवित्त व सवैयादि मनोहर छन्दोंमें वर्णित हैं

जिसको

श्रीकाशीनिवासी पं० लोकनाथकवि द्विवेदी ने
गानविधान विज्ञपुरुषोंके अवलोकनार्थ निर्म्मित किया

प्रथमबार 134

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

विज्ञापन ॥

ग्रंथोंके लेखसे अनुमान कियाजाताहै कि इसभारतदेशके प्राचीन समयमें बहुतसेपुरुष गानविधान व छः रागोंके सपरिवारस्वर तालगुण स्वभावादिभेदोंके जाननेमें अत्यंत कुशलथे– परन्तु वर्त्तमान समयमें बहुधापुरुष इन वार्त्ताओंकोभी नहीं जानते कि स्वर व रागक्याबस्तु है और किसे कहते हैं–फिर उनका अभिप्राय कथन करना तो अत्यन्त कठिन है–और आज तक न कोई ऐसी पुस्तक देखने में आती है कि जिससे संपूर्ण रागोंके भेदभाव विदित होजावैं–इसलिये संपूर्णगान विधान रसरासिकपुरुषोंके अवलोकन करने व प्रत्येकरागोंकी यथातथ्य विधिजानने केलिये यह पुस्तक वंशीरागमाला नामक श्रेष्ठकवि श्रीलोकनाथ द्विवेदी रचित मुद्रितकरने योग्यसमझकर श्रीमान् मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) ने स्वयंत्रालयमें मुद्रित कराई–प्रथमतो इसमें रागों की उत्पत्ति अर्थात् जिसप्रकारसे जो राग जिस २ स्थानसे उत्पन्न हुआहै वह सबसविस्तारवर्णन कियागया है पश्चात् प्रत्येक रागकीछःछः रागिनी व छःछःपुत्र व पुत्रबधूआदि सबसमाज सहित यथातथ्य एक २कवित्तमें स्वभाव गुण स्वरूपादिकाभेद अच्छेप्रकार मनोहर शब्दोंमें वर्णन कियागयाहै–आजतक संपूर्ण रागोंके विषयकी ऐसी उत्तम पुस्तक देखनेमें नहीं आई आशा है कि जो महाशय इस अप्राप्त पुस्तकका अवलोकनकरैंगे–वह अत्यन्त प्रसन्नतासे इसके ग्राहकहोंगे और इसके प्रचारकर्त्ता व निर्माणकको धन्यबाद देंगे–



अथवंशीरागमाला ॥

नाथ कबिकृत ॥



मंगलाचरण ॥

कबित्त । घनाक्षरी ॥ बारनलगतनेकुबारनकेकारन को बारनकरनमेंबिघनढिगऐबेको । बारनकेबारनसेटूटैअनायासहीते ऐसेहीअनैसेकोनिवारनकरैबेको । बारनमेंजैसेभटवीरधीरकोपीहोहिं कबारनगनकेसदुखकेहटैबेको । बारनकोतीनतापपापतेउबारनको बारनबदननाथसर्बसुखदैबेको १ ॥ अथ रागउत्पात्ति । छप्पै ॥ शिवअरुशिवासँयोगयोगषटरागनकेगुन।पांचमुखनते पांचछठेंगिरिजामुखतेधुन।भैरवघोरअघोरासिरिजईशानमेघकहँ । विरचेसद्योजातसुघरश्रीरागहिकोतहँ । कियबामदेवसुबसन्तहीकरनाटकततपुरुषते । छठयोंहिंडोलकबिनाथकहिपारबतीकेसुमुखते २ ॥ षटरागनाम । दोहा ॥ प्रथमसुभैरवमेघपुनि श्रीबसन्तकरनाट । अरुहिंडोलअमोलहै जासुनाथचितचाट ३ ॥ रागभेद ।

सबरागनकेभेदअब पतिनीरागिनिसाथ। सुतसु
तबधूसखासखी कहिश्रमतेकबिनाथ ४ ॥ सोरठा ॥
काहुनपायोपार अतिअपारसुरताललय। हनुमदादि
मतसार नाथसाथलघुमातिकथय ५ ॥ सवैया ॥ षटरा
गछतीससुरागिनिहैं षटहीषटहीतियरागहरेकको। शु
भसन्ततिरागिनिहूंकेछही छहीपुत्रसुपुत्रबधूप्रतिएक
को। एकुएकसखासखीमुख्यसुरागको एकरुबीसस
माजाजितेकको। कविनाथसनेहकेसाथकहैं गुनिनेकयेभे
दसुरागअनेकको ६ ॥ अथ रागपरिवार। छप्पै ॥ भैरवकी
भैरवी रामकेरि मालसिरीहैं। सु धनाश्री सिंधुरा असा
वरी नारिनिरीहैं। धौल श्याम शुध मालकोस अरु
अजैपालहैं। कन्न्हरनट षटरागिनीनकेषटहिबालहैं।
रेवा रंभेलि सूही सुहो भटियालहु अंष्टी बहू। अषभ
सोहिनी सखि सखा भेदनाथभैरवयहू ७ ॥ अथ मेघराग
समाज ॥ कहत कान्हेरा अरु केदार पुरबी बिलावली।
मधुमालवि कोड़ा सुनाथघनकी तिरियाभली। छायी
नट सुधनटहु गौड़ हम्मीर नटहु सुत। सांवत सु अड़ा
ना अतीहि रससंयुत अद्भुत। सुतबधू जयेतिश्री जो
गिया पुरिया ईमन देशिया। राजविजै पुनि सखिसखा
गोरा नटमल्लारिया ८ ॥ अथ श्रीरागसमाज ॥ सुभगा
गंधारी सुगौरिहू और कुमारी। बिलावली तियभली
बिरागी है षटनारी। जयतकल्यान सुषट सु श्यामरामहु
बागेश्वर। हेमकल्यान सु खेमकल्यानहुतनय छओबर।
धोकेली मांझ गौड़हु सरंग सरसैति परज जजंतया।

पंचमे संकोचीं सखासखिनाथसाथप्रमुदितहिया ९ ॥
अथवसंतरागसमाज ॥ ललितं विभासं सु पटं मंजरी पं
चैमि गूजरि । टोड़ी छठीं सुनारि पुत्र दीपक देसाखं
धरि । बर बिहागं सु सहानहु सारँग अरु अहीरनट ।
सोरठ देवकेली बँगालि तिरवेनी करिठट । गुनकरी
खँभावति सुत बधू सखा सुनहु कल्यानं नट । सखी सु
सारँगं नाथ कहि सुघर समाज बसंत ठट १० ॥ अथ
करनाटरागसमाज ॥ गारो भूपाली नटीहु कल्यान कमो
दं हु । रामकेलिं तियछओ मारु बहुनागरं सुत कहु ।
टंकं रागसागरहुं लंकदहं गौरां मालव । ककुभं अहेरी
इयामं पूरिया छबि तरु पालव । कहिनाथ समफलि
अलहियाँ वृन्दाबनी बधू सुघर । ललितं पंचमी सखि
सखा पखारेहै करनाटकर ११ ॥ अथहिंडोलरागसमाज ॥
दिपिका नारि सुदेशकारि सुबरारि हिंडोलहिं । मालवि
पहिड़ा तीय मरहठी नाथके गोलहिं । सँकरा भरन सु
मतं विलास अरु तिलकमोद युत । नटकेदारं कमो-
दं नटहु संक्रमनं छठेंसुत । सुत बधू चेति सुघराइहू
काफी लीलावति बिहर । हरसिंगारहुं नायकि सखा ब
ड़ हँसं भीमं पलासि वर १२ ॥ अथरागरागिनीसमय ।
सवैया ॥ बर भैरव भैरवि रामकली ललितं सु विभासं
सुहो गुजरीरी । पुनि देवगिरी अरु देवगँधार बँगाली
असावरि जयतिसिरीरी । देशकारं गुनाकरि जोगिया
पाहिड़ाँ सिंधुरा औसुघराई कहीरी । बड़हंस अलैया
बरारी बिलावल भोरके यामलौं नाथ कहीरी १३

देवकेली पटमंजेरि सौंवत टोड़ी रंभेली देसाखे कुमां री। पंचमि औ सोहनी ककुंभ पुनि वृंदाबनी अरु हारे सिंगारी। लीलावती अरु अष्टी सु सौरंग रेवा सुंदे शी विरांगी पियारी। पहलेही सुयामते दूसरे यामलौं नाथ समै यहठीकविचारी १४ गोरनटें सु अहीरनटें पुनि शुद्धनटें अरु टंकै मलारी। गौरानटें सुबसंत त्रि बेनी हिंडोल सुभीमपलासी पियारी। मालेहिकोस सु मालसिरी सुधनासिरी जाजवंती बरनारी। युगयाम ते तीजे सुयामलौंसारंग नाथसमै इनके इतनारी १५ गौरी खंभावती पूरियां पूरबी राजविजै सुसंक्रोन अहे री। चैती सुमालवा दीपे मलारेहि बर्षाहिपै यह हर्षक रेरी। मालवगौड़ श्रीरागै गुनौइतने सबचौथहियाममें टेरी। भारूसे युद्धजवै जमके ठनकै तब मारू सुनाथ कहेरी १६ सँकरो भरनै शुधै छायानटें अरु हेमै सु खेमकल्यान भुपाली। षटराग सुइयाम रु श्यामहुपूरि या कान्हरा लंकदहन् सुखशाली। करनाट कल्या नै हेमीर नटें सुकमोदे बगेश्वरे हम्मिरे खाली। क ल कांफी अड़ानों सुईमन नाथ इतेककी शामके याम में चाली १७ गावहु नायकी औ केदारो केदारनटें परजै सुसहानों। मांझ सुसोरठ तीलकमोद कमोद्नन टैंसुबिहागविधाना। दूसरेयामलौं गाइयेफेरि संकोची बिहागरा मंहठिठाना। सुमंतीहिविलास समैफ लि सेसंति दूसरयामलौंतीसरआना १८ सुभगो सुप खारे सुरागके सागर ऋषभै औ भटियाले पियारी।

श्यामसुंराम सु लालितपंचमी और बिलार्वालि हैंरुचि
कारी । रातकोतीनसुयामबितेपरप्रातलौंलागतपर्मपि
यारी । अतिप्रीतिकेसाथसुनाथकहैंसबरागिनिरागसमै
अनुहारी १६॥सोरठा ॥ उक्तसमयअनुसार रागरागिनि
हिगाइये। नाथहुकुमाशिरधारबेलाकछुनविचारिये२०॥
गायनलक्षण दोहा ॥ गायनतीनप्रकारके उत्तमअधमस
मान। लक्षणबरणनतासुसब कहतनाथसुखखान २१
लयरुसुरतालस्वग्रामहू मूर्छनसनजोगाय। कहतनाथउ
त्तमगुनै कबिकोविदसमुदाय २२ इतनीबस्तुनिमेंक
छुक एकहुजोकमहोय । गावैतालप्रमानपै नाथसमान
हिसोय २३ जानतभेदअभेदनाहीं गावततालबेताल ।
कहतनाथताकोअधम जाकोनेकुनख्याल २४ ॥ अथता
लभेद ॥ तालनकेगनअगनितहिं नितहिंचितहिलै
कौन । परद्वादशअथवासुदश नाथबखानततौन २५ इ
कतालाचौतालहूजलदतितालातालl । कुण्डनाचहोरीरु
पकधमितितालाचाल २६ सूलफाकताभंपहैं समचौ
तालाताल। आड़ासुईसवांरिहू कहतनाथकरिख्याल
२७ एईतालबिशालहु विदितसुगायनमाहिं। तिनकेल
क्षणकहतहैं नाथसाथचितचाहि २८ प्रथमहिंगुरुपुनि
तीनद्रुत सोचौतालाजान । द्रुतपैबिरदीगिरतहैं यहैना
थपरमान२६ प्रथमहिंद्रुततीनोंरहैं फिरबिरदीगुरु अंत।
तेहिसमचौताराकहैं नाथसाथगुणवंत३० प्रथमहिलहि
गुरुयुगलही उतनैद्रुतदै अंत । आड़ाचौताराकहैं ताहि
नाथबुधिमंत ३१ तालतिनिहुइकचालहीतिनहिंद्रुतहि

जोपाय। अंतमाहिंबिरदीरहेनाथतितालकहाय ३२ हैद्रु तप्रथमहिंजोइयेतितनहिंअंतबिराम। गुरुपरबिरदीना थलखिधीमतितालानाम ३३ आदिलघूइकअंतहैद्रुतबि रदीपैजासु। झंपतालतेहिनाथकहि नामख्यातहैतासु ३४ आदिहिंदीजैदूइद्रुतअंतएकलघुदेइ। सूलफाकता तालतेहिकहतनाथबुधजेइ ३५ युगललघूसमहोयजो ताहीपैसुबिराम। तासुनामरूपककह्यो नाथसकलगुण धाम ३६ जहँगुरुएकहिलाइये गुरुपैबिरदीएक। नाथ सुहोरीतालकहि लहिगुणगायननेक ३७ प्रथमयुगम गुरुएकद्रुत फिरआखिरगुरुएक। ताहिसवांरीतालक हि नाथसाथसुबिबेक ३८॥ अथतालप्रयोजन॥ मत्त मतंगकेरंगहै तौर्यत्रिकनिकजान। अंकुशतासुबिशाल बर तालनाथसुखखान ३९ क्रियाकालअरुमानहू ल हिएकहिंजोठाम। नाथगुणीगणलालजे कहततालसुख धाम ४० कालसमयकोकहतहैं क्रियाहाथकोयोग। मा नजानबिश्रामको कहतनाथबुधलोग ४१ सबतालन के प्रानयेइनहींसहितसुताल। शिवशक्त्यात्मकचमक ये सुखदनाथकरख्याल ४२॥ अथस्वरग्राममूर्छनालक्षण॥ स्वरहैंसातरुग्रामत्रय मूर्छनहैंइकईस। नाथसाथक्रम केकहत जो कछु कहेउगुनीस ४३ पाछेस्वरकेहोतहैंजो अनुकरनबिलास। ताहीको स्वरजानियेकहतनाथसुख रास ४४ अथवाखुदजोआपही निकरैपूरणनाद। नाथ ताहिस्वरकहतहैं सोशारदाप्रसाद ४५ खर्जऋषभगंधा रपुनिमध्यमपंचममान। धैवतऔरनिषादये नाथसात

स्वरजान ४६ खर्जभयोस्वरअंशसे सरसीरुहसेअंग।
सुरलाकोब्रह्माबिदित स्वरसुनाभिकेसंग ४७ तियकबि
दाभैरवतनय जंबूद्वीपनिवास। दिनपूरणमासीकह्यो
रागनाथहैंखास ४८ ॥ ऋषभस्वरलक्षण ॥ सजगजकेगु
रुअंशसे नारदकुलअवतंस। तनगुलाबकेआबहै भा
षतनाथप्रशंस ४९ ऊरधनाभीतेकढ़ै जाकरस्वरउच्चा
रि। सुतअद्भुतकरनाटहै रिमहासुन्दरनारि ५० लक्ष
द्वीपसुनिवासहै बारजासुशशिबार। नाथसुघरस्वरऋ
षभके बरणतहैंसुखकार ५१ ॥ गंधारस्वरलक्षण ॥
बरबाजीकोअंशहै देवविरोचनतासु। आभालोहित
श्यामहै कौशिकद्वीपनिवासु ५२ तनयसुरागहिंडोलहै
कागतियासुकुमारि। भौमदिवसअसकहतजग नाथउ
दरउच्चारि ५३ ॥ मध्यमस्वरलक्षण ॥ कोकिलकेकिलअं
शहै मध्यमस्वरवरजान। नीलकमलआभाविमल देव
सुकेशवमान ५४ बरनारीप्यारीलसै तनयबसंतपिया
र। क्रौंचद्वीपआगारहै नाथतासुबुधवार ५५ ॥ पंचम
स्वरलक्षण ॥ पंचमबायसअंशहै देवसुवासवजान। श्या
मलअमल शरीरहै शाकसुद्वीपसुथान ५६ तनयमला
रतियामह्या गुरुबासरवरजान। ग्रीवाते पुरस्वरकढ़ैकहै
नाथपहिचान ५७॥ धैवतस्वरलक्षण ॥ धैवतकेकीअंशहै
देवसदाशिवजान। गाततासुअवदातहै द्वीपशाल्मलीथान ५८ अनुरागवतीतियसती आत्मजहैश्रीराग।
नाथशुक्रबासरकह्यो मुखतेस्वरवरजाग ५९ ॥ निषाद
स्वरलक्षण ॥ दादुरअंशनिषादहै श्यामलश्वेतशरीर। ना

थग्रीवतेऊर्ध्वस्वरदेवविनायकधीर ६० शनिवासर ताकर सुघर पुष्करद्वीपनिवास। बाँझतिया यह रमतनित सुत बिनुरहतनिरास ६१॥ इतिसप्तस्वरः ॥ अथग्रामभेद॥स्वर मूर्छन आदिक सबै श्रुतिकेआश्रयहोय। ग्रामताहिगु णिगणकहैं नाथबखानतसोय ६२ तीनतरहकेग्रामहैं क हतसबैगुणग्राम। आड़वपुनि षाड़वकहे अरु संपूरण नाम ६३ साँचहि पाँचहिस्वरमिले आड़वबरणतनाथ। षाड़वषटस्वरकेमिले पूरणसातौसाथ६४ औरहुसंज्ञाती नहैं ग्रामनकेसुखखान। उदरा अरु मुदराकहैं तारा ति सरीजान६५ गुणिगणग्राम विभेदकहि नाथहुकरतबखा न। कहतधारहियसारमत ग्रंथनकेपरमान ६६॥ अथमू र्छनालक्षण॥ तानींहतानचढ़ाइबो अरुउतारिबोजोय। तेहिस्वरबरकोमूर्छना कहतनाथहूसोय ६७ इकइसमूर्छ ननामको कहतसबहिक्रमसाथ।जोस्वरकीजोमूर्छना भा षतसोकविनाथ ६८॥ छंद॥ आमोदिनी सुविनोदिनी सु प्रमोदिनी तीनोबनी। खर्जस्वरकीमूर्छना इतनी सुवर्ण्यनकीठनी ६९ कहत दीर्घा और श्रद्धा फेरि व्यंगा जानहू। ऋषभ स्वरकीमूर्छना इन तीनही पर मानहू ७०॥ गन्धार॥ विश्रामिनी अरु कामिनी आ रामिनी मनमानिये। स्वरसुमध्यमकीसुमूर्छन इनहिंती नाहिंजानिये ७१कहत गुणिजन कोमली अरु निर्मली जमलीजुदा। स्वरसुपञ्चमकीसुमूर्छन तीनहैं हियकीमु दा ७२ कहत सब आधारिनी बिस्तारिनी सुविहारि नी। स्वरसुधैवतकीसुमूर्छन जगतकीहितकारिनी ७३

विदितहै लज्जा सँकोची और गोपी तीसरी । स्वरनि
षादीमूर्छनायहनाथकबिबर्णनकरी ७४ ॥ दोहा ॥ मुर्छ
नहैंस्वरसातकी श्रुतिहिनाथसुखखान । स्वरप्रतितीन
हितीनहैं सबमिलिइकइसजान ७५ ॥ श्रुतिलक्षण ॥
बिनानादकेजोसुनै पहिलहिसबकोरूप । सुनताहिप्रिय
हियलागती श्रुतिहैसोइअनूप ७६ स्वरसातौंकीजानि
ये श्रुतिबाईसप्रकार । भिन्नभिन्नतिनकेकहे नाथनाम
निरधार ७७ ॥ छन्द ॥ तीब्रा कुमुद्वति और मन्दा
फेरि छन्दवती कह्यो । खर्जस्वरकीचारश्रुति हैं जाहि
सुनिआनँदलह्यो ७८ दायावती अरु रंजिनी रक्ता
कही हैतीसरी । ऋषभस्वरकीतीनश्रुतिहैं गुणी जन
वर्णनकरी ७९ कहतसबरौद्रीहिंक्रोधा श्रुतिदुईगंधा
रकी । रीतियहसंगीतमतकीरतगुणीगणप्यारकी ८०
बज्राप्रसारिनिप्रीतितीजी मार्जनीचौथीकही । श्रुतिसु
मध्यमकीचहूंयहनाथकबिबर्णतसही ८१ सुनहुक्षिति
रक्तासुसंपादिनि अलापिनिचारही । श्रुतिसुपंचमकीब
खानी नाथद्विजसुखसारही ८२ सुनमदंतीरोहिनी रामा
हितीजीजानियें । श्रुतिसुधैवतकीबखानी रससारिसपर
मानिये ८३ बरणिउग्राक्षोहिनी दूनीकहीतीनोंश्रुती ।
श्रुतिनिषादहिकीकहीहैनाथश्रुतिबाइसहुती ८४॥ इति
श्रुतिभेद ॥ अथ रागजाति दोहा॥ कहतसुघरसबरागकेती
नभाँतकीजात । प्रथमशुद्धसालंकतब पुनिसंकिरनसु
हात ८५ दुइदुइभाँतिकजातिहै महाशुद्धअरुशुद्ध ।
स्वररागरुसालंकहै कहैंनाथजेबुद्ध ८६ संकीरनपुनिद्व

सरो महासकीरनजान । षटप्रकारकेंसवभये कहतना थपहिंचान ८७ ॥ शुद्धलक्षण ॥ सवहिरूपरँगअरुप्र कृति भिन्नभिन्नहैजासु। विकृतस्वरहिकहिंमिलतंकै शु द्धनामहैतासु ८८ ॥ विकृतलक्षण ॥ विकृतस्वरहिसो जानियेआनथानतेंआय।जोआनहिकेथानमेंछिपिछिपि कैमिलजाय ८९ टोड़ी जोड़ीगूजरिहियहीकहावतशुद्ध। इनतजिऔरनशुद्धहैं कहतनाथजेबुद्ध ९० मिलतनजि तहींविकृतस्वर निजपरिपूरणहोय। सारँगऔरसुकान्ह रामहाशुद्धयेदोय ९१ स्वरसालंकहिजानिये शुद्धहिको इकभेद। विकृतस्वरहिकेमिलतंकै उभैबिनाशतखेद ९२ सालंकल० ॥ आनहिछायाआनरँग आनथानतेआय। मिलेरागसालंककै कहतनाथचितचाय ९३ गौरिरंगश्री रागहै दीपपलासीरंग।मेघमल्लारकेरंगहै ललितबिभास हिसंग ९४ ललितबसंतहिरंगहै सोरठसूहोरंग। तिमि केदारारंगहै सूहोउमगिउमंग ९५ मेघहुश्रीकेरंगहै भैर वकेरवजान । भैरवकेरँगहैसुहीजुही रहतरसखान ९६ काफीकेरँगकान्हराऔर बिलावलजान। औरोरँगइनते अधिकजानहुचतुरसुजान ९७ गौरीकेरँगगौड़है देशका रसुबरारि । रेवारंगसुगूजरीनाथजोगायनप्यारि ९८ बहुग्रंथनकेमतनतेंकाहिसालंकसुराग । कहतसँकीरनभे दहैनाथसाथअनुराग ९९ मिलिकैटोडीकान्हराहोतसुभै रवराग। गौरिकान्हराकेमिले कन्हरगौड़सुजाग १०० मिलेकेदाराकान्हरा उपजतविशदबसंत । सारँगसुघर मलारमिलि सांवतकैसुखवंत १ मिलिमलारअरुका

न्हराकन्न्हरनटमल्लार । लघुसंकीरनभेदये पांचरागनि
रधार २ ॥ महासंकीरनभेद ॥ इकसुंरसादुइसारसातीजे
सरसाजान । तासुलघुहिगुरुभेदतेभयोनामषटमान ३
उदाहरणलक्षणसहित पृथकपृथकपहिंचान । नाथसा
थमतिकेकहत जोबुधप्रथमबखान ४ शुद्धसुसालंकहि
मिले लघुसुरसाकेभेद । तामेंपांचसुरागहैं जोमेटतमन
खेद ५ मिलिसोरठअरुकान्हरा होतअड़ानाराग । गू
जरिगौरीकेमिले पुरबीक्षैरसपाग ६ टोडीऔरधनाशिरी
मिलेबरारीहोय । गौडसुसारँगकेमिले गौड़सुसारँगजो
य ७ गौरीकाफीकेमिले रेवाजानप्रमान । लघुसुरसाके
भेदये पांचरागपहिंचान ८ ॥ गुरुस्वरसाभेद ॥ गूजरिदे
शीकेमिले रामकलीभलिजान । मालवगूजरिकेमिले
खरीगुनकरीमान ९ सुधसाश्रीअरुकान्हरा मिलेऋष
भपहिंचान । नटसुकान्हराकेमिले कन्न्हरनटसुखखा
न १० गौरीषटरागहिमिले देशीहोताबिकास । सारँग
औरबिलावली मिलेपूरियाखास ११ सारँगश्रीरागहिं
मिले दीपककोपरकास। जैतिशिरीगौरीमिले चैतीकरत
बिकास १२ काफीऔरसुकान्हरा मिलेसहानाहोय ।
ईमनकेदारामिले इमनकेदाराजोय १३ मारूकेदारा
मिले होतबिहागसुराग। पुरबीकेदारामिले देवगिरीसु
रजाग १४ सारँगअरुनटकेमिले सारँगनटसुखधाम।
गुरुस्वरसाकेभेदही कहेनाथअभिराम १५ ॥ अथलघु
स्वरसाभेद ॥ जितैद्विविधिसालंकहैं लघुसारसकहिसो
य । संकीरनसालंकमिलि गुरुसारसतबहोय १६

श्रीरागहिंसुधनाशिरी मिलेविषहराराग। भेदएकयह
सारसा कहतनाथरसपाग १७ जैतिशिरीसुधनाशिरी
मिलेहोतकल्यान। सुबिलावलकल्यानते भलीभुपाली
जान १८ पंचमललितमिलितसुघर ललितपंचमीहो
य। मालशिरीसुधनाशिरी भैरवहीतेजोय १९ मालशि
रीअरुमेघामिलि मधुमाधवीबखान। सिन्धुरासुमारू
मिले सोरठकोस्वरजान २० देशकारपुरबीमिले माल
वरागहिजान। ललितबरारीकेमिले रागवसन्तसुहा
न २१ गौड़बिलावलकेमिले उपजतरागकमोद। मि
लेधनाश्रीपूरिया भीमपलासिसमोद २२ जैतिशिरी
श्रीयोगते लीलावतिपहिंचान। सुसहानासुबिलावल
हिमिलिसुघराईजान २३ ॥ अथलघुसारसाभेद ॥
सुघरअजैपालैमिले पुरियाकौशिकहोत। ऋषभबरा
रीकेमिले धौलसुरागउदोत २४ मिलिहिंडोलबसन्त
केपंचमरागरचाय। मालवासुकौशिकमिले मालकोस
बनिजाय २५ सुघरभुपालीरामकरि मिलेरँभेलीहोय।
अजैपालअरुधौलमिलि पुरियारागिनिजोय २६ मा
लशिरीसुबिहागहीं मिलेखँभावतिजान। देवकलीगंधा
रमिलि गौड़होतसुखदान २७ रामकरीश्यामहिंमिले
श्यामरामअभिराम। मिलेबरारीभैरवाहिं बंगालीसुख
धाम २८ बंगसुरामकलीमिले रागिनिभइभटियालाजैत
शिरीकल्यानते जैतकल्याणरसाल २९ सुऋषभअरुग
न्धारमिलि अजैपालसुबिशाल।बंगालीषटरागकेमिलेशु
द्धसुखपाल।शुद्धऔरहम्मीरमिलिछायाहोतरसाल ३०

शुद्धसुनटमिलिशुद्धनट कहतसुनतगुणवान । न
टअरुछायाकेमिले छायानटपहिंचान ३१ नटअरु
हम्मीरहिमिले कहिहमीरनटसोय । नटअरुकामो
दहिमिले प्रियकमोदनटहोय ३२ पुरबीशुधसँकराभ
रन मिलेककुभहीजान । टंकधवलकेमिलतही सोहनी
सोहनीमान ३३ तिरबेनीलीलावती मिलेसँकोचीजा
न । चैतीऔरबसंतमिलि होतबसंतीठान ३४ नटअरु
मल्लारहिमिले नटमल्लारीजाग । लघुसारसासुभेदय
हकहेनाथसविभाग ३५ ॥ अथगुरुसारसाभेद ॥ लीलाव
तिभैरवललित तीनिहुंमिलिहिंडोल । जैतिशिरीनट
शुद्धमिलि सरस्वतीअनमोल ३६ श्रीरागहिंअरु
कान्हरा गौरीहूमिलिजाय । भईजाजवन्तीप्रकट इनती
ननकेपाय ३७ बंगालारेवामिले पंचमहूकैसाथ । तबैप
र्जबनिजातहै कहतबर्य्यअरुनाथ ३८ टोड़ीऔरमला
रमिलि सिंधुराहूकेयोग । आशावरीखरीभई कहत
सुगायनलोग ३९ गुजरीअरुकल्यानमिलि देशकार
हूसाथ । होतअहेरीरागिनी बरणतहैंद्विजनाथ ४०
बंगालीललितहिमिले अजैपालहूसाथ । श्यामरा
गअभिरामकैबरणतहैंतेहिनाथ ४१ गौड़बिलावलसा
रँगहि मिलेबिलावलिभाख । मल्लारहिसँकराभरन क
न्हरामिलिदेसाख ४२ षटकमोदकन्हरामिले तिलक
मोदहीजान । श्रीकान्हरासुभैरवहि मिलेटंकपहिंचान
४३ ललितदेशकारहिमिले गौरीहूतेहिसाथ । ताते
तिरबेनीभई सुखदेनीनिजनाथ ४४ ईमनकेदारासहि

त और सहानासाथ । होतहमीरसुधीरसे गावतनिशि मुखनाथ ४५ देवगिरीनटभैरवहिं मिलेसुश्रष्टीहोय । इमनधनाश्रीकान्हरा मिलिबागेश्वरजोय ४६ नटदीपिकाहिंडोलमिलि होतमध्यमाभेद । सुनतगुनतताके तुरत मिटतजगतकोखेद ४७ सिंधुराटोड़िअशावरी औरधनाश्रीसाथ । होतरागगंधारहै भाषतहैंद्विजनाथ ४८ सूहीसुघराईसहित कन्हराऔरमलार । इनतेसू होहोतहै बरणतनाथबिचार ४९ पुरबीगौरिमलारमिलि देशकारकेसाथ । मौंझरागइनतेप्रकट भाषतहैंद्विजनाथ ५० ललितबरारीश्यामहू गुजरीऔरगँधार । आशावरिहूकेमिले ह्वैषटरागप्रचार ५१ माधविनट शुधपूरिया बागेश्वरकेयोग । नटसुतानउपजैंछजै बरणतगायनलोग ५२ संकीरनमेंभेदये गुरुसरसाके जान । द्विविधिशुद्धसालङ्ककहि नाथसँकीरनमान ५३ इतिरागजाति ॥ अथ रागलक्षण ॥ सुन्दरस्वरबरसहित जो ध्वनिविशेषहीहोय । मनमोहनसोहनसबै नाथरागकाहिसोय ५४ ॥ अथ बाजनलक्षण और भेद ॥ बाजनताकोकहतजो स्वरसहायअरुभाय । बाजनतेबाजनबिना नेकहुगायनजाय ५५ ॥ सवैया ॥ मुरचङ्गसुचङ्गमृदङ्गलसै बरबारितरङ्गसुबांसुरियारी । करतालसुतालसितारागितारतँबूराचिकारासुसारँगियारी । तबलाडफसूरासिंगारसरोद सुबीनरबाबसुनाथहिप्यारी । खँजरीढुलकीसहनाइनफीरी सुझांझसुनाड़ीतरंगनगारी १५६

अथरागरागिनी स्वरूपतत्रादौ भैरवरागस्वरूपवर्णनम् ॥

सवैया ॥ विद्युतिगातसुहातकृपाकरजाते छपाकरजात छपाई। लोचनहैंदुखमोचनतीनिहुंरोचन गौरबिभूतिल गाई। बैसकिशोरजटाघनघोरसे कुंडलमंडलसाँपसुहा ई। नाथप्रियानिजसाथहियाभरि चूमतभैरवरागकहाई १ ॥ रागगुणवर्णन। घनाक्षरी॥ बिरहबिबशबशरोगिनीसी दीसीनिशिसारीव्रजनारी भारीनिलजीजोगुनीगिनी। परेहैंसँकेततिन्हैंकेतग्रहकेसेलेसेतजीहैंनिकेतभजीजेती भूरिभोगिनी। कान्हबाँसुरीसुरीसीअँकुरीसीजीवभावै पखुरीसीमुरभावैंधावैंवनशोगिनी। बंशीबंशभैरवरी नाथकुलकैरवरी भैरवसुनतभईभैरवकीयोगिनी २ ॥ अथ १ भैरवी स्व० ब० स० ॥ देहदुचन्दसीसोहतमोहत मन्दहँसीनिकसीमदमाती। मानिकसेनिकसेअधराधर पीनथनीजघनीबलखाती। कुंजनकूलदुकूललसीमनि भूषनहैंनिरदूषनभांती। हाथमेंमाललियेसखिसाथमें नाथहिभैरवीपूजनजाती ३॥ गुणव० घ०॥ सारीव्रजनारीजो अनारीसीबिचारीबारीवारीप्यारीदेहजोविदेहभईभोगि नी। मुरलीरलीहैंमुखकान्हतासुसुनितान भलीहूअली लहीहैंबेकलीज्योंशोगिनी। बिलपैंबिसूरदूरदूरहीतेधाय चरभूरधूरपूरतनतूरलाजभोगिनी। नाथब्रजचन्दलखि गोपकुलकैरवीजे भैरवीसुनतभईभैरवीसीयोगिनी ४॥ २ धनाश्रीस्वरूपव० स० ॥ काननमीलसुकंजलसे मृदुमं जुलसेघुमिकाननमाहीं। घोरघटाहुघटालखिगात सु वस्त्रतेबिज्जुछटाउछटाहीं। कंचुकिमेंकुचकुंकुमहूजुम सिंहकटीचषमीनसुहाहीं। नाथकोध्यानधरीसुधनाशि

री पूरबद्योसखरीमुसुकाहीं ५ ॥ गुणव० घ० ॥ ऐसो
प्रेमनेमठनाजातहीबनाउतैरी मोहनाकीजोहनाहियेमें
तानबानाघिरी । केतेजनामनाकरैंकोऊकोनगनानेकु ऐ
सोघनाप्रेमठनाथिरीनारिअथिरी । अतिअनंमनानाईं
नारीसगरीजनाईढनमनापगडगधरैंमगमेंगिरी । गो
बरधनासेवृन्दाबनाबीचधाईआईं धनाशिरीकीसीसुनि
नाथकीधनाशिरी ६ ॥ ३ रामकली स्वरूपव० स० ॥ राम
करीअतिओटकरी रिसरोषभरीपलिकापरराजे । लैमु
खमोरिमरोरिसुनाकहिं घूंघटमेंपटनीलसुछाजे । मानहु
चंदछिपेबदरी निदरीबरभूषणवस्त्रहिंत्याजे । माथनवा
यकेनाथमनाय रहेभिझटकायसुहाथनलाजे ७ ॥ घ० ॥
सारीब्रजवामनकीसुधिबुधिवामनसी वामनकीबंशीधुनि
सुनिब्यापीबेकली । निजधामहूनिकामलागैगृहकाम
त्यागैकामकरपीरधीरहूतियेहियेरली । गुणग्रामवारी
नारी ग्रामग्रामकीगँवारी सगुनकरतपेखिश्यामका
गकागली । नाथछबिधामश्यामजूकीबंशीभलीतामें रा
मकलीरागिनीखिलीज्योंअभिरामकली ८ ॥ ४मालसिरी
स्व० व० स० ॥ फूलनकेतनभूषनहैं घनदूषनहीनसु
रेशमीसारी । चंदहुतेदहचंदद्युती उरचर्चितचंदनतेम
दवारी । काननकंजलसेमृदुमंजुल घूमतिहैघनकानन
प्यारी । पायकेजोबनमालशिरी सममालशिरीभुजनाथ
हिडारी ६॥गुणव ० घ ०॥महामानवारीनारीहूबिसारीसा
रीसुधि मतवारीकीसीघूमैंभूमैंजोरहींथिरी । बारीबारी
तेनिकरिबारीहूबिचारीप्यारी बारीबारीसाथिनके साथ

हेतुगोड़गिरी। यारीहैंपियारीयातेआँधियारीहूनटारीबया रीहूभैनजानैसारीकुंजकुंजफिरी॥नाथढिगआनाघिरीबुधि हैबिहालानिरीजानमालाशिरीसमवारीसुनिमालशिरी१० ५ आशावरी स्व०व०स०॥ अतिदूमतिहैमदतेभुकिभूम तिघूमतिहैसगरीफुलवारी। द्युतिदीपशिखाजनुचित्रलि खातनुभेषनकोवदलैबहुवारी। निखरेबिखरेकचकारेखरे करकंजधरेबिचरेवनप्यारी॥नाथआशावरीआशावरीति यभाँवरीदेतज्योंकुंजमेंभारी ११॥ गुणव०घ०॥ गति मतिआसुरीसुरीहूफूलपाँखुरीसी मुरीजातधुनिसुनिसुरी लीसीबाँसुरी। सारीसुरीसतीहूकीलाजकीधुरीहू टूटीचो पीहोयगोपीभेषधारिधारिकैजुरी। सुरीसुरगनसुरपुरीके मगनहोय गगनतेसुमनसुमनभरैंआतुरी। बंशीव्रज नाथजूकी प्रीतिरीतिआँकुरीहै बढ़ीजातआशाउरी सु नतआशाउरी१२॥६सिन्धुरा स्व०व०स० ॥ शीलबड़ोतन मेंद्युतिनीलसी बालविशालहैंघूँघरवारे। चंचरसेफहरैंव रअंचर कंचनचारुसेचीरसँवारे। हैसिंधुरापुरप्रेमधुरा मधुरागतिहावरुभावसुधारे। बीनप्रबीनाछिडैंनिजहाथ तें नाथकेसाथसुमोहिहिनिडारे १३॥ गुणव०घ०॥ इन्दु रातकोअड़ेखड़ेसेहैंजहींपैतहीं इन्दिराहूगिराहूसुनतन तआतीहैं। सुन्दरकलिन्दजाकीधारयाहीकेअधार अ ड़ीरहैखड़ीकहूँनापधारजातीहैं। वनदेवीहूविशेषतासुअ तिसेवीभई खगमृगटेवीलईतानप्रानघातीहैं। नाथनेह सिंधुराजमाहिंबोरीपोरीकरैंसिन्धुरासुनततीयासिंधुरासी मातीहैं१४॥ १ भैरवपुत्रधौल स्व०व०स० ॥ शीशमहल

बिचहातेचुहलतहँतूल पहलसुखसेजबिछाई । पान
मधुरमधुपानअधरधर राजकुँवरद्युतिकंचननाई । धौ
लफबनअरुधौलजोबनयुत नाचैमगनसखियनसँग
पाई । बीनमधुरसुरछेड़ेंचतुरजुर गावैंसुघरबरतान
सुहाई १५ ॥ गुण व० घ० ॥ कौलमुखीनारीसा
रीहौलदिलवारीहोयैं सुनिकैअतौलउपमाकीबांसुरी
चकित । जंगलकीऔलकोननेकहूविचारेंकोऊ पौ
लकेजो बाहरनहोतसोऊदौरींतित । मौलसरीहारन
कोगूंधतहुतीजोतीय सोऊमौलनीचेकरिभईसुनिमुर
छित । केतीहैंअडौलअरुकेतीहैंबेडौलसाजसोऊआ
जनाथधौलरागसुनिधौलचित १६ ॥ २ पुत्र श्यामराग
स्व०व०स० ॥ सुन्दरश्यामसेश्यामसुरागहै कुंजनपुंज
नमेंबिहरेरी । कंदुककीड़ाकरेमुखबीड़ा भरेगरेप्यारी
केहाथधरेरी । पन्ननकेबरपानकेभाजन बालनकेकरकं
जनमेरी । नाथलोकावतगेंदगिरावत जोबनकाननपौति
यकेरी १७ ॥ गुण व० घ० ॥ निजनिजधामकेजोकाममें
भिरीहैंभाम सोऊभईहैंसकामसुनिबंशीरागरी । वामदा
हिनोनसूझेबूझेनतुकुललाज गृहकाजकुलनामभूलीं
प्रेमपागरी । ठामठामहीकीनारीसारीदौरीहैंकुठाम ग्राम
औनगरवारीबारीचलींभागरी । कहैंउरकीन्हेश्यामकि
तौवहप्यारोश्याम नाथश्यामबांसुरीकीसुनश्यामरागरी
१८ ॥ ३ पुत्रशुद्धराग स्व०व०स० ॥ बीनबजावतगावतहैं
अतिरंगमहल्मेंकलामतखासे । शुद्धसेभेषहैंशुद्धसुराग
केशुद्धबसनूसबहींतनतासे । दिव्यगनीगनकोपटभूषन

अर्पनकीन्हपरमाहितितासे । तालमृदंगबजैमुरचंग सुरंगमहलमहँनाथहुलासे १९ ॥ गुण व० घ० ॥ जाकेदुद्धदांतहूनटूटेसोऊनाहिंछूटे जूटेबांधिजूटीहैंबधूटीजुटीअनुराग । युद्धकरैंमनमथमनमथकैसमुद्ध उद्धरतबन्दबन्दकठिनकुफंदलाग । निरबुद्धपनपेखतासुक्रुद्धगृहजन बुद्धजनबुद्धिदेतसुनीअनसुनीत्याग । सबहीविशुद्धशुद्धमतिहूअशुद्धकीसी सुनिसुनिशुद्धरागनाथपैगईहैंभाग २० ॥ ४ पुत्र मालकोस स्व०व०स० ॥ मालसुकोससरोसभरेहगलालविशालप्रबालसेभावे। बानकमानाहितानउतानहिंवैरिनवृन्दपैनिंदचलावे। मुण्डनकेरिपुझुंडनकेउरसुन्दरमालविशालरचावे । नाथसुसाथसुवीरनकेरनधीरनकेबिचबैठिसुहावे २१ ॥ गुण व० घ० ॥ पंछिनकोपोसपोसहारीसारीरीतिनलेएरीमेरीवीरनेकुमानेनाहिंपोसरी । उड़िउड़िजाततहांजहांबंशीवैरिनहै सुनिसुनिधुनिवाकीहोसतेबेहोसरी । रोसकरधर २ केसपातिअतिरोकैंकाहूकरआनकानकीनअफसोसरी । जोसभरीगूजरीसोकोसकोसहीतेभागी त्यागीनाथमालकोससुनिमालकोसरी २२ ॥ ५ पुत्र अजैपाल स्व०व०स० ॥ केलिमहलबिचराचीचुहलभल आलीकोप्यालीमदालीपिलावे। चीराजरीकरसोहैबदनपटुकाकीफबनबिजलीझलकावे । मोतीअवनगजकीसजकी मणिमालविशालउरनबिचभावे । नाथसुघरसखिसाथबिहरअजैपालकृपालसुरागकहावै २३ ॥ गुण व० घ० ॥ गृहजनजोकृपालसोऊअकृपालभये लखिकेबिहालहालबालकीनि

रालचाल । जादिनतेख्यालकरीलालजूकीबंशीधुनि
तादिनतेवाकेमनपंछीपरेप्रेमजाल । कठिनकरालकाल
चढ़ेज्योंपिशाचभाल काहूकहैतपीबालबिरहाकीज्वाल
माल । बंशीमेंगोपाललालछेंड़ीतालजोरसाल अजैपा
लरागसुनिबिरहाभोअजैपाल २४॥ ६पुत्रकन्न्हरनट स्व०
व०स०॥ ताजीसुबाजीचढ़ेघनकाननखाननकेसवपंछिन
पाहीं । हाथपैबाजबिराजसोत्याजकै गाजकैबोलबढ़ा
यसुबाहीं । कारशिकारकरैतेहिदेतहै हारउतारइनामके
माहीं । बानकमानकृपानसजे सुरनाथसेकान्हरनाटसु
हाहीं २५ ॥गुण व० घ० ॥ ठटवटसारीनारीछांड़ि२स
जवटबीछियाहूअनवटछांड़ीकरिअनवट । खोलेलट
योगिनसीबोलअटपटबोल घोलविषसाजनज्योंसाजन
तेखटपट । अकपटकीसीसुधिबुधिपटकीनदीसी बरषा
नदीसीदौरीजातबौरीचटपट । झटझटजातनाथढिग
मृगदृगवारी कान्हरनटाहिरागछेंड़ीसुकान्हरनट २६ ॥
१भैरवकीबहूरेवारागिनी स्व०व०स० ॥ गौरसुअंगकेरंगभला
मलउज्ज्वलझीनसुबस्त्रनिसोहै । झूलतकर्नमेंकर्नसुफू
लनि कुंजनकूलमेंगेंदरचोहै । खेलतनाथकेसाथपररुप
र कंदुकतेटुकचोटहियोहै । हासीहूखासीभुलासीगई
यहरागिनिरेवापरेवासीमोहै २७ ॥ गुण व० घ० ॥ सेवा
माहिंनिजनिजपतीकेजोसतीहुतीं सोऊअतीव्याकुल
सीआकुलसीबंशीसुने । टेवाटेवीकैरैंनिजघरनकेप्रानि
नतेबेवाहूकुबौरीकीसीफिरफिराशिरधुने । लेवाजोलगाव
तहुतीसोलेवामखलायराज साजतिनकासीगुनितिनका

चुने। नाथढिगहरीहरीसारीवारीहरेवासी परेवासीउ
डीजातरेवारागिनीगुने २८ ॥ २ भैरवकीबहूरँभेलीस्व॰व॰स॰
आजअकेलीरँभेलीपियासँग केलिकेमंदिरमाहिंसुहाई।
ऐंड़तखेंड़तछांड़तमें कुचमाड़तमेंपियहाहाखिलाई। बी
ततहैइतरातप्रिया इतरातपियासँगबातनलाई। सैन
कोसैनकरैंपियते तबनाथसुहाथतनीपैचलाई २९ ॥
गुण व॰ घ॰ ॥ नवलनवेलीअलबेलीबेलीगंधवालीबं
शीधुनिसुनिकेअकेलीकुंजआवती। चेलीजोमुनिनकी
सोमेलीभईइनहींकी अनमेलीमेलीमेलीअनमेलीभाव
ती। जलदीचलनकाजठेलाठेलीकरैंआज भाजजात
घरेलीबनेलीऐसीधावती। बनदुखझेलीमानोभेलीसी
लहीनवेली नाथरागिनीरँभेलीरँभेलीकरावती ३० ॥
३ भैरवकीपुत्रबधूसूहीरागिनी स्व॰ व॰ स॰ ॥ जूहीसीबास
सुहासविलासहै सोहतसूहीकोसूहीसुसारी। केलिके
मंदिरअंदरखेलत नाथकेसाथसुकंजनधारी। कंजनसे
तनखंजनसेदृग गंजनफूलनकोकरिडारी। नाथकेधा
वतहीलखिकेसखिकेपकरेंहहरेंहियभारी ३१ ॥ गुणव॰
घ॰ ॥ मूहामूहीसमुहीकरतसगरेघरैंले कूहाकूहीकरैं
जानितीयपररागिनी। दूहादूहीकरतहुतीसोगायही
बिहायधायभजींतजीहैं निकायज्योंबिरागिनी। जूहा
जूहीहोनलगीघरअरुबाहरतेयूथनकीयूथजातीतीयअ
नुरागिनी। नाथमिलेपीलीहूरँगीलीचुहचुही खिलेसू
हीकररंगतसीसुनिसूहीरागिनी ३२ ॥ ४ भैरवकीपुत्रवधू
सूहोस्व॰व॰स॰॥शुभसूहोकोसूहोसजैशिरओढ़नीसूहोसु

रंगसेअंगमेंसारी।वरहेमहुमैलसुपैलहैपांयनहैअकलंक सुलंकनधारी। द्युतिदेखविशेखउरोजानिरेखहँसैहुलसैंवि लसैंपियप्यारी। बहुआलिनसाथलखीनिजनाथहिबी छीसीआंखतिरीछीनिहारी ३३ ॥गुणव०घ०॥ गृहकेसम हौजननतनतनकूहोकैरैं दूहोकैरैकरेजारीसासुरीअभागि नी। चूहोकीसीनाहिंद्युतिदेहगेहकेकलेहजानीसासुनईने हवदूज्योंबिरागिनी। चोटीहारगूहोनाहिंकोऊसाजजूहो नाहिंबंशीधुनिसुनिसबैभागींअनुरागिनी। जरदहरदकी सीरहीऊहोनाथसाथसूहोरंगकीसीभईसुनिसूहोरागिनी ३४॥५ भैरवकीपुत्रबधूभटियालरागिनी स्व०व०स०॥ दमकैद्यु तिदीपशिखासमदेहसनेहभरीनवलाचपलासी। कंजक लीनिकलीछतियांबतियांकरेकामकलाबिकलासी। अनि यांअतितीछनईछनकीमानोमारकेतीरनकीगुरुगांसी। पटघूंघटओटतेचोटकरैनिजनाथलखेभटियालबिलासी ३५॥गुणव०घ०॥बुधिबालकीसीकरैसुधिटालदेतसबैज्वा लमालबिरहातेबनीहैबिरागिनी।यहब्रजलालजूकीबँसि यासुरसियारीकरतबिहालयाकीफूँकैफूँकनागिनी। हिया कीहवालकहाकहौंजियाकीजवालनाथबिजियासेहालक रैअनुरागिनी। मेरोमनमठियालहठियालकोसोभयोचु टियालकीन्हीचित्तभटियालरागिनी३६॥६ भैरवपुत्रबधूअ ष्टीरागिनी ॥स्व०व०स०॥शिखतेनखतेसुशिंगारसँवारबिहा रकेमन्दिरलैसखिसारी। अमलाकमलासमरूपभलावि मलाआँखियांमृगसीछबिधारी। अलकाछलकापलकावि ठलायगईबहलायसखीगणन्यारी। कष्टीसीअष्टीभईल

खिनाथहिंखायहहामुखपैपटडारी३७॥ गुणव० घ०॥जष्टी
कीसीबांसबांसुरीसोऐसी जादूवारीसारीसृष्टिहारीहैंबिहा
रीमुखलागिनी । धृष्टीब्रह्माबिष्णुशिवहूकीसुधिबुधि
खोईकष्टीकरैतीयअनुरागिनीबिरागिनी । नष्टीभईग
तिमतिगनपति शक्तिहूकी दृष्टीसुधाकीसी करैद्योस
निशिजागिनी । लष्टीकीसी बंशीनाथनवो निद्धिल
ताकीहै अष्टीसिद्धिमोहीसुनि धुनिअष्टीरागिनी ३८॥
भैरवकीसखीसोहिनी॥ स्व०व स० ॥ साखिसोहिनिसांवरि
सीमनमोहिनि जोहिनिहैछबिभैरवकीरी। नवनीरदनीर
जनीलछबीलसुडीलछरीलसुसारीहैपीरी।गहनाजोनगी
नाजड़ाजकड़ाबरबीनाप्रबीना छिड़ैमतिधीरी । नि
जनाथकेकेलिकेमंदिरअन्दरगूँजतिहै गतिबीनकीसीरी
३६ ॥ गुणव० घ० ॥ जोहिनीजगतरीतनीनिवारी नारी
सोऊऐसीफँसीजैसीचन्द्रमंडलमेंरोहिनी। दोहिनीदुहत
खसीलसीबनगोहिनीसीं बंशीनाथफँसीभईमानोमंत्रमो
हिनी। मोतीमालपोहिनीसी कोहनीकेबलगिरींचलींबन
भाजत्याजछोहनासुछोहिनी । नेहरसबोहिनीसीबंशीता
नकान्हटेरीऐसीसोहिनीसुरागिनीजोसुरसोहिनी ४०॥
भैरवसखाऋषभ॥ स्व० व० स०॥ आगरहैंसगरेगुणकेनव
नागरसेगरुआइगुराई। सागरहैंसुखकेवरसुन्दरआकर
हैंरसरंगलुनाई । बातकरीकिधौं फूलझरीकरफूलछरी
गरतीयसुहाई । नाथसुभैरवसाथअभैऋषभैसुसखा
हिरखाहितनाई ४१॥ गुणव०घ० ॥ बाहनवृषभजोसुघ
रहरसोऊत्यागे नभकेडहरभागेबंशीजितैबाजीहै ।नि

शिभरहरिबिधिहूकीहूकीहै करेजअतिही मजेजपरबंशी तानछाजीहै। ऋषभहूपुंगवजेतुंगशृंग पुच्छभारैमत वारेइभआदिपशुगोलभाजीहै। ऋषभसुदेवहूजोबिश दबिरागीत्यागीवाहूराग ऋषभसुनतअतिराजीहै ४२॥

इतिश्रीभैरवसमाजसम्पूर्णम्॥

अथद्वितीयरागमेघमल्लार॥

स०॥लसपावसकेघनसेतनसुंदरअंबरभूषन बिज्जुसेभाये। पागनिपेंचपैहैसरपेचसुहीराजड़े शिरचीरासजाये। गजमोतीकेमाल बिशालसुलोचनलोलसेकुंडलगालन छाये।बसपावसगावतहीबरसावतनाथउदारमलारकेहाये १॥कबित्त॥भल्लारहेघरकेबहरकेसगरलोगकल्लाफारैसा सुरीधारैननदअललारहीं। गल्लानाजन्हीकेभिरीघिरी जोनिरीगँवारी कोऊबल्लाबल्लीजोड़छानीकीमिलारहीं। हल्लाकरैबोरीनाईत्याजी जहांकीतहांईसारिकरपल्लासा रीफारीअकुलारहीं। लल्लालल्लीहूतजीहैलल्लाजूकी बंशीगुनिमल्लारहीसुनिबीरमल्लातलमलारहीं २॥ १

मेघकीरागिनीकान्हराका स्व०व०स० ॥ बैठिअशोकतरेहिय ऐंठिकैशोकभरेविरहाकरयेरी। चोटीकोमोटीजटाकीछटा करि योगीपटापटुपैन्हलियेरी। थोरीसीवैससुगोरीसीभे सहैं भोरीसीभामसकामहियेरी। नाथकेसाथबिनायह कान्हरा आन्हरासादगरोयकियेरी ३॥गुण व० घ०॥ गोपिनकेबंदवृन्दाबनबीचखींचगई सींचलईसीनाजो पसीनाबुंदसेभड़े। यदुबंशीबंशीभईबंशीमनमीननको यमुना।निकटतटमच्छकच्छहूअड़े। खगमृगाढिगआय

तिगरहेचित्रकेसे भेसेधारिधायेजीवजंतुमोहमेंपड़े। नाथखाससुखरासरासरचीरही जहींकान्हरातहींबजाईकान्हरातहींखड़े ४ ॥ २ मेघपत्नी केदारा। स्व०व०।स० ॥ चमकीलीसीचौकीसुकंचनकी मनिमंचनसीतितबैठिअन्हावे। झलकुंतलतेजलबुंदढले जनुनागहलाहलहीटपकावे। झटमांगतिहैपटप्यारिनसों जलशीतलकोमलगातकँपावे। ऐसीउदाराकेदाराकेदारासी पारासीदिव्यद्युतीदरशावे५ ॥ गुण व०। घ० ॥ जोपरदाराहहूमेंचलातिकरतिहुतीसोऊतीय बेपरदाराखतीअवारासी। दाराजोबजायगायरहीहैउदारादारा सोऊपरदाराकीकुचालचालधारासी ॥ उतरैंगुदाराकीसीभवासिंधुही अपारापापहिंबिदारानाथमुरलीहुधारासी । केदारारागिनीसुनतऐसीकेदारा जोनघरद्वारा त्यागिभागिकुंजधारासी ६ ॥ ३ मेघपत्नीपूरवी स्व०व० । स० ॥ चारुशिंगारसँवारसबै कुचकुंकुमधारसुधारसुगातैं। चन्दहुमंदलगैजेहिज्योतितैं विद्युतिकीद्युतिदांतकीपांतैं। होठसुलालपैहाससुगालपै सारीसँवारीसुविज्जुकीजातैं। पूरवीरूपअपूरवीजोहत नाथकीबाटलगायकेघातैं ७ ॥ गुनव०। घ० ॥ चूरीदूरवीजोपूरीचूरीवारीसैन्हावती सोऊत्यागभागकरैंघनवनकोपयान। गूरवीहूअबलाभजीहैंसबलाकीसानधूरछानतीहैकेतीतीयहीयवौरीखान। कूरवीकेफूलनसीपीरीपीरीअहीरीहैं केतीघूरबीनतीहैंदीनहीनसीमलान। पूरवीबयारवीचशूरवीरकीसीचलीं सुनिनाथकीअपूरवीजोपूरवीकीतान८॥ ४मेघपत्नीविलावलीरागिनी

स्व० व०।स०॥ कुंजनपुंजनमेंजितगुंजन रंजनहैंअलि कोयलिकूकैं। अंजनमंजनसाजिउतै मनरंजनकेपथझां कहिझूकैं। रैनासिरानविहानभये नगयेतितप्रानपियाके हिचूकैं। बावलिभांतविलावलिबोलत नाथविनाकिलको किलहूकैं ६॥गुनव०।घ०॥पगकरपावलीउतारचलीबाव लीसीसूंठमारब्रजनारधारकैउतावली। जैसेजिंगनावली जनाततममाहिंतैसेबाटमेंनिचाटठाटबाटज्योंबकावली। विरहावलीतेमानोंभईसांवलीसीदेह निजनिजगेहमाहिं बतलाईझाँवली। कूआँबावलीहूनानिहारैंलांबीडगमारैं विलावलीकीसीपगधारैंसुनिविलावली १०॥ ५मेघपत्नीम धुमालवी स्व० व०।स०॥ अतिअंगहिअंगअनंगलसी पियप्यारेकेसंगकीहीयउमंगी। घनगर्जततर्जतबर्जतहै तेहिदेखिनलर्जतप्रेमतरंगी। फूलनकेतनभूषनसाजिवि राजिरहेरुचराच्छसुरंगी। मधुमाधविनाथसुमाधवपै घ नकुंजनपुंजनजातउतंगी ११॥गुनव०।घ०॥ शिशुपन केसेअलिभेसेमनआलिनके ताकेहेतपालनालतानकर कान्हतान।चमेलीहूमेलीकीसीदीसीहैसुवासखास माल तीहूजानमालवारतीहैंतापैप्रान।सुघरकरनफूलफूलरहे आनँदमेंइकहीमेंपेचाख्वातइकपेचाप्रीतिखान। माधो मधुमालवीसुरागिनीमेंटेरहेरैं माधवीकोमाधवीलतान तेरठानठान १२॥६मेघपत्नीकोड़ारा० स्व०व०।स०॥ मधु पानकियेअतिशानहियेअरमानाजियेपियसेमिलबेकी। तनसोरहस्वच्छशिंगाराकिये निजकेलिअगारमेंटेकहि टेकी। सुरकिन्नरनागहुमेंअसनारि निहारिनहींकहूँप्या

रिमजेकी। जनुकोड़ाकोकामकेकोड़ालगे तबनाथहिहा
थहिधारकेछेकी १३॥ गुनव०। घ०॥ छोड़ातानकान्हजा
सुवेगशतघोड़ाभांतफोड़ाघनवनपुनिगोपिनकेथानलग।
जोड़ानिजछांड़ रपशुपक्षीहूनिगोड़ामुखहूनमोड़ाभागेए
कलागेवाहीमग।थोड़ाहूनज्ञानध्यानरहेकानगोपिनकेको
ड़ाकामकेसेलगैंभगैंसबैप्रेमपग।ओड़ाकरैंसुखदुखकोड़ा
करैंखेतनको सोऊनाथहाथकोड़ाधुनिसुनिगईजग १४॥
१मेघपुत्रछायानट। स्व०व०। स०॥ अतिअस्त्रनिशास्त्रनिसा
जिसुवस्त्रनिहेरअहेरकरैबनमाहीं। चढ़िताजीतुरंगकुरंग
पैधावतलावतघाततकेपरछाहीं। तानकमानरुवानसु
काननकाननघोरनमेंधँसिजाहीं। रतिनाथसेअङ्गकेरङ्ग
पटैछबिछायानटैछहरैचहुँपाहीं १५॥ गुनव०। घ०॥ जा
याजोबड़ेजनकीछायाजासुपरिवार गुनकीनिकायानार
सोऊतानबंशीसुनि। जाहिनिरमायाविधिवालबड़भागि
निसीसोऊनिरमायाहोयनिन्दैंगृहपुनिपुनि। दायाहूतजी
हैंनिजछोटेछोराछोरिनपैमायाहूकीचाहनाहआहिआहि
हीकीधुनि। मनप्रथमैपठायानाथढिगपीछेकाया छाया
नटकीसीभईछायानटधुनिगुनि १६॥ २ मेघपुत्रशुद्धनटस्व०
व०।स०॥ केलिसदनबिचबैठिमदनछवि पांतरदनछबि
दाड़िमसो हैं। हीराकेहैंसरपेंचफबन शिरचीरासघनम
निभूषनकोहैं। नारिनवलसँगगानसुबाजन तारतमूरन
तेमनमोहैं। लालअधरधरनाथसुघरवर शुद्धनटैहिनटै
तियजो हैं १७॥ गुनव०।घ०॥ शुद्धबुद्धवारीनारीशुद्धबु
द्धहूंबिसारी बांसुरीसुरीलीजामेंशुद्धसुलगाई आग।

युद्धहोतप्रेमनेमक्षेममाहिंआपुसमें कामओसुकृतकेसमु
द्धअतिलागीलाग। क्रुद्धअतिहोतरोकटोकजोकरतको
ऊ गुपचुपछुपछुपगोपीचोपीचलीभाग।रुद्धगयेतीयही
यजीयनाथसाथकीन्हीशुद्धनटकेसेजादूपेसेशुद्धनटराग
१८॥ ३ मेघपुत्र गौड़राग।स्व०व०।स०॥ बरसैघनज्योंस
रसैमनत्यों हरसैनिजप्रानप्रियादरशेरी। गुरुगुंजनभौं
रनकेपरखेहरखेअतिकुंजनपुंजनमेरी। झुकिझूमकद
म्बतटेलपटेझपटेतियतोलकपोलचुमेरी। उँगलीद
शनातरदाबिहँसी गुनिशर्मनिगौड़हिगौड़हिहेरी १९॥
गुन व०।घ०॥ कान्हूदौड़कौड़तापैबंशीधुनिसुनिकापैं कान्हू
सौड़गदड़में घुसीरुसीपति त्याग। कपरानकेनिचौड़
मेंभिरानहुती केतीसीनाकेपसीनाछुटे विरहाकीआग
जाग। छोड़छौंड़छौंड़ीदौड़ीपौंड़ीखोलअनबोलभौनन
तेमुखमोड़होड़करिचलीभाग।धौड़मौड़आपुसमेंकरिदौ
ड़चलीअली नाथढिगगौड़देशवारीसुनिगौड़राग २०॥
४ मेघपुत्र हमीरनट। स्व० व०। स०॥ कामअनादी सेआ
दीसुरूपमें सादीसीगादीपैप्यारीबिठारी। आलासेप्या
लापिलावैपिवै चखनाचखकैलखकैबलिहारी। काननमें
गजमोतीसुजोती अनूठीअँगूठीबिजायठधारी। नाथह
मीरनटैनहटै पियप्यारीलटैपैलटैतनवारी २१॥ गुणव०।
घ०॥ चटपटऔचटहीपरीकानकान्हतान तबहींतेवौच
टसीजियाहियागोउचट। आपुसमेंसनवटकरैंउतैजैबे
काज सोवतउठतझटलेतनाहिंकरवट। अटपटबोलैंवै
नभागिजाततयागिऐनकरकरघरमाहिंप्रानिनतेंखटपट।

वंशीनाथहाथजोही पीतपटवंशीबटमानहुं अमीरनटब
जावैहमीरनट२२॥५ मेघपुत्रसाँवतराग॥स्व०व०स०॥ सुरता
लनकोकरिख्यालनकोध्रुपदै अरुख्यालनकोभलगावै।
निजआसनपैसुखराशिनिको बिठलायसुहायकेगायरि
झावैंवरवीरसुसाँवतसेयहसाँवत गावतनाचतभावबता
वै२३॥गुणव०। घ०॥आवतऔजातसुरगगनमगनमाँहिं
परममगनमनदानौगनधावतहैं। भावतअतिहिंसुरसुंद
रीहूआसुरीहूबंशीधुनिसुनिकैबिमानठहरावतहैं। गावत
बजावतजोफिरैयक्षकिन्नरहू नारदविशारदऔतुम्बुरसु
हावतहैं।नाथनियरावतसुयोगीवीररावतहूँसाँवतसुराग
सुनेमातशूरसाँवतहैं२४॥६मेघपुत्रअड़ाना स्व०व०। स०॥
श्यामसरूपअनूपलसे सुखधाममेंबैठिबिलोकतबामा।
फूलकौबासलसेचहुंपासहि खाससुआसनपैबररामा।
सुखानसेनैनबनेमधुपानसे शानसेसोहैंतकैंकटिछामा।
तितनाथअड़ानासेठानाजितै वहडारेअड़ानासीसुन्दर
श्यामा२५॥ गुणव०। घ०॥ कड़ानाहिंकाकेमनलड़ाना
हिं जाकेमनअड़ानाहिंकाहूकरधीरपीरप्रीतिजाग। कड़ा
नाछड़ानाछल्लाछापकपड़ानाभलेकेवड़ानासूंघैऐसीबंशी
मेंगईहैंपाग। छोटाबड़ानाहिंजानैंबड़बड़ानानछाड़ैं कड़
कड़ानासभीसेघरहूतेकरैंलाग । मानौंनाथसाथसबैस
खिकोपड़ानाप डेवनमेंअड़ानाअड़ेसुनिकैअड़ानाराग।
२६॥१मेघपुत्रबधूजैतिश्रीरागनीस्व०व०।स०॥साजिसुगंधन
तेतनकुंदन भूषनरत्ननकोमनमोहै। बंधुकसेअधराधर
सुन्दर कन्दुकसेकुचपीनलसोहै। भावनआवनकेसगुनै

मनमाहिंगुनैसबकाजपरोहै। नाथकेसाथकीहैअनुरागि
नि जैतिश्रीरागिनिभागिनिसोहै २७ गुन व०। घ०॥ सा
रीनिशिजागिनीभईहैअनुरागिनीसी सकलसुभागिनी
सुनततानकानधरे। दागिनीसीभईतासुसासुरीननदहद
मानादेहदागैंताहिबोलीठोलीमारिलरे । छागिनीसी
छटकिछटकिछरछोड़ैघरछिपिके केवाड़ीखोलसबैब्रनरा
हधरे। जैतिजैतिब्रजनाथबोलीहमजोलीसाथ जैतिश्री
रागिनीसुनतजैतिश्रीकरे २८॥ २मेघपुत्रवधू योगियारागि
नीस्व०व०।स०॥ अंगबिभूतिअकूतिभरे जयमालकरेधरे
बालाबियोगिन् । सेल्हीहलेअलफीहैगलेमृगछालभले
बिचलेबनसोगिन् प्रीतमकेविरहातममेंगममेंगुनेयोग
महातमभोगिन्। नाथकेसाथविनायहयोगियायोगियाभे
सधरेजसयोगिन् २९॥ गुनव०। घ०॥ सबसुखभोगिया
केछांड़िकियेसोगियासेरोगियाकेभाँत भयेगातकान्हता
नगुनि। गोपियाकीटेढ़ीरीतकोपियाकीमानेप्रीत सोपिया
सीभईजोरहीहीअमीकनीचुनि। टोपियासीजटाजूटछोपि
यासीभूरिधूरिगूदरीरँगाय कृष्णकृष्णकहैंपुनिपुनि। भो
गियाकीचालबालबौरीदौरीनाथढिग योगियासेभयेजि
यायोगियाकीधुनिसुनि ३०॥ २मेघपुत्रबधूपूरियारागिनी स्व०
व०। स०॥ चावनभावनतेंमनभावनप्यारीके पावनधाम
पधारे । देखतहीअतिनेहबिदेहसी गेहमेंलालनलाय
बिठारे। अत्तरदानसुपन्ननके पनदानखरेगुलदानसुधा
रे। अर्कगुलाबमेंगर्ककैनाथहि पूरियाप्रीतिसुपूरियाधारे
३१॥ गुणव०। घ०॥ सबहिंअधूरियासीतनमें शिंगारसा

जिघूरियाउड़ावतचलीहैं अनुरागिनी। चूरियाहूफूटीजा
तगूरियाहूटूटीजातजूरियाहू छूटीजातबिकलसुहागिनी।
मूरियासीचित्तचटकावतीबँसूरियारी छूरियाचलावैहि
याफूँकेमनोंनागिनी। परियामिठाईतजीनाथढिगसारी
भजी उरभरपूरियारीपूरियासुरागिनी ३२॥ ४ मेघपुत्रबधू
अथवारूपमंजरीईमनरागिनी। स्व०व०स०॥फूलसुमंजरीसी
निखरीछबिबीजुरीसीसुथरीपियप्यारी। सबैसिंगारसँवार
कियेमनिभूषनसारीसजेजरतारी। हासबिलासकरेपरि
हासलखैंसखियाँअखियाँअनियारी। ईमनमानेकहाँज
बईमननाथगरेनिजहाथाहिंडारी ३३॥ गुणव०घ०॥ बं
शीतानदीन्हीताननीयतनमनप्रान चलतउतानगतिह
रतीमस्तीपनकौ। सारीब्रजबालनकीगतिहैबेहालनकी
मालनकीटूटीलरख्यालकछुहीमनकौ। बौरीबनधाईबन
भौंरीज्योंसुमनपरतीगनअनूपरूपनाथजूकेतीगनकौ।
जीमनकेमोदकाजतोरीलाजसीमनके ईमनरहतथिरना
हिंसुनिईमनकौ३४॥५मेघपुत्रवधूदेशरागिनी।स्व०व०स०॥
अंगनमाहिंसुअंगनाकेपिय अंगनचाहिअलिंगनमांगे।
चाहकचातुरकामतेआतुर हाहाकरैनिजमानिनिआगे।
गोरीसीभेसहैथोरीसीवैसहै चोरीसीज्योंबिजुरीघनभा
गे। गायरिझायपहेलीबुझाय जगायकेनाथहिंसाथहिं
पागे ३५ गुन व०। घ० ॥ परीहूसुरेशीऔनरेशीनारिहू
कलेशी लेशीमनौंलूककान्हबंशीकूकहीगुने। सुंदरीसु
केशीसारीभईमुक्तकेशीनारी बावलीसीतासुभलीअली
लखिशशिधुने। अतिहीअंदेशीभयेतासुसबदेशीलोग

कहैंएकदेशीप्रेमनेमयाकोजीहुने। नाथढिगदौरीबौरीना ईसुबेशीकुबेशी देशीहूबिदेशीभईदेशीरागिनीसुने३६॥

६मेघपुत्रबधूराजबिजैरागिनी। स्व०व०। स०॥सीसमहल्बि चहोतसगल् सखियाँसँगचौसरऔसरतेही। पियआ येअचानकसेबनिबानिक मानोसचानकपंछिनमेही। दे खिहहरगईपीयठहरगये फेरठठायहँसेमुदसेही। लखि अंचलओटकरेदृगचंचल राजबिजैनिजनाथसनेही ३७॥ गुणव०। घ०॥ यदुराजमहाराजराजरहेब्रजबीच वाहीबिचनीचसेमगधराजभौउदोत। साजमहाराक्षस समाजमहायुद्धकाज जरासिंधुबलसिंधुघेरोब्रजकईपो त। तबब्रजराजबिनुसाजहीसमाजउतै बंशीफूँकफूँक लूककीसीसैनखाईगोत। नाथवंशीसबपैविराजछाजजा तआली राजबिजैरागिनीसुनतराजबिजैहोत ३८॥

मेघसखागौरा।स्व०व०।स०॥ अलबेलीनबेलीसीनाचतहैं जितजाँचतहैंसुरतालकेभेवैं। मनिमंदिरअंदरसुंदरसे तहँराजपुरंदरसेरसलेवैं। भारिभावसेहावरुभावबताव त आपहुलैसुखऔरहुदेवैं। गौरासागौरासुनाथसखा हरखाकरभेवाबिभेवकीटेवैं ३९॥ गुणव० घ०॥ गौरागौ रीहूचिरैयादैयादौरादौरीकरैं हौराकरैंजंगलीहूबाँसुरी सुनेश्रवन। भौराभौरीकरैंबनजीवजंतुआपुसमें भौंरा भौंरीहूकेपुंजगुंजाबिनअनमन। बौराबौरीकेसेभयेमृगा मृगीडिगीगये दिगीहूपिगीगयेहैंफनीहूनवायेफन। कौ राकौरीनाथहीकेसाथजीवजुरेरहें गौरारागसुनेहोतगौ रायहभौंरातन ४०॥ मेघसखीनटमल्लारी। स्व०व० स०।

बादरचादरसीलखिके सखिकेसँगनाथहिश्रादरतेरी । केलिकेमंदिरअंदरगावत बीनबजावतबंकचषेरी । रागकेशोरसुनेबनमोर चितैचहुँश्रोरतेश्रायमतेरी । नीलसुकंजसे मंजुलगातसुहातचुरीचुँदरीगहनेरी ४१

गुणब० घ०॥ क्यारीक्यारीबागनकेप्यारीजूकरतसैल वाहीगैलन्यारीधुनिसुनिमाचेहल्लारी । टहलमैंझारीहुतींजितीब्रजनारीतितीं भजींतजींराधेजितैबिरिछइकल्लारी। सारीब्रजनारीसारीसुधिबुधिहूबिसारी भईहैंअनारीनारीछूटेछापछल्लारी । अँचराकेपल्लारीउड़ीसीजातगुड़ीऐसीमल्लारीसखीहूमोहींसुनेनटमल्लारी ४२ ॥

इतिमेघरागसंपूर्णम्॥

अथतृतीयश्रीरागसपरिवारबर्णन ॥

स०॥श्रतिउज्जलसेतनकज्जलनैनन बिज्जुलताद्युतिदेहदिपाहीं । भलफूलकेमालबिशालगरेभरेमारहुतेसुकुमारसुहाहीं । साजिभब्यसेभब्यसुगातनमैंपटभूषणदिब्यसेदिब्यदिखाहीं । करकंजनिकंजघुमावतरागते नाथश्रीरागजूकुंजनमाहीं १ ॥ गुणब० घ० ॥ अतिअनुरागजागरागसुनिबंशीकर कागकेसेचित्तउड़ेभईपीरतीरकी । लोगबागयुतभोगबागमेंकरतजेती उनहूंकेबागबंदगतिज्योंअधीरकी । मुखतेबहनलागझागऐसोप्रेमपाग बिरहागजागबेग त्रिबिधसमीरकी । नाथढिगभागचलीअली मनोभागखुली सुनतश्रीरागसखीश्रीबढ़ीशरीरकी २ ॥ १ श्रीरागपत्नीसुभगा रागिनीस्व० ब० स० ॥ शुभ्रसरोवरकेबरकूलपै सुन्दर

सेघरचित्रितसोहै । गातसुकंजनसेगतिरंजन हंस
के बंसहिदंसदियोहै । बामकरेधरेकामकेपुस्तक दा
हिनमुक्तनदामालियोहै । सुभगासीशिंगारसजेसुभगा
पथकेलिअगारमेंनाथकोज़ोहै ३ ॥ गुणव० घ० ॥ प्रब
लअनलसुलगाहैअंगअंगमाहिं उमगाअनंगकेउमंग
बिनसंगपीय। बिलगाकेपलगाकेझलीसीचलीहैं अली
दहीमहीढुलगाकेनईनईरमनीय । अलगाकेगोलनके
गोलभईअनबोल अभगाहूनारीसारीजुआकीसीहारी
हीय । दुर्भगाकीनाईधाईआईनाथकुंजपुंज सुभगासु
रागिनीसुनतसुभगासीजीय ४ ॥ २ श्रीरागपत्नीगन्धारी
रागिनीस्व०व० स० ॥ अलसातीहियामदमातीतिया अँ
गिरातीजम्हातीहैआलकसीसी । थोरहिथोरहिबीनाछि
ड़ैपियओरहिभोरहिप्रीतिपगीसी । रैनजगीउजगीबि
लगीनवयौबनमेंउमगीबिजलीसी । बालगँधारीकेबाल
अँधारीसे नाथकेसाथलसीहुलसीसी ५ ॥ गुणव०घ० ॥
सारीब्रजनारीब्रतधारीसोऊमत्तवारी बनवारीतानआ
नबेधीप्रानवारपार । रूपऔकुरूपवारीबूढ़ीबारीगुणवा
रीगँवारीहू बिचारीभईहैंमानोनिराधार । कारीकारीघटा
राततापरनकारीराह खगहूकीनानिकारी नाथबनकेमँ
झार। गन्धारीसतीसीसोऊतीयअनुरागिनीसी गंधारी
सुरागिनीसुनतत्यागींघरद्वार ६ ॥ ३ श्रीरागपत्नीगौरी
रागिनीस्व०व० स० ॥ डीलसरोसमसोहैखरीजिमिसुन्दर
नीलसमेदमकेरी । देवीसीसेवीसखीगणकी अतिटेवी
सबैरसरंगनमेरी । नाथकेसाथलसीअनुरागते रागब

जावतबीननकेरी । गौरीसुरागिनिकेलिगृहेगुणमालसु
गौरीसीबालललसेरी ७॥ गुणब० घ० ॥ पौरीलौंनआवैंकभूँ
दौरीदौरीधावैंसोऊ बौरीकीसीभईनईबंशीतानसुनिकै।ब
रजोरीतरजोरीकरजोरीकरी लोगमानीनाकुयोगाहिंबियो
गआगहुनिकै।छोटीछोटीछोरीहूपिछोरीछोरिछोरिभाजीं
पूँछोरीकोऊतोबोलैंनाहिंमुहँमुनिकै।नाथबिरहानलतेभौ
रीभौंरीभांतउड़ींदौरींगौरीगोपिकाहूगौरीधुनिगुनिकै८॥
४ श्रीरागपत्नीकुमारीरागिनीस्व०व० स० ॥ दृगअंजनसेबरखं
जनसेमनरंजनकीअतिआशकियेरी । भलभेसकीगोरी
सुबैसकीथोरीसीगौरीशिवैपुजिफूलनतेरी।हरसेबरमांग
तहैबरसुंदरसर्वाशिंगारसवाँरसजेरी।शुचिसोहैकुमारीम
हासुकुमारीसीनाथके साथसनेहघनेरी ६ ॥गुणब० घ० ॥
दोहनकीबेरियारीसुनिकैबँसुरियारी दोहनीतनीकीतनी
रहीवहीतानगुने । कारीचोटकीसीवहलागीखोटबँशिया
रीकलनापरतहारीप्यारीकाहूशिशधुने । याहीकहैंतिरि
यारीमारीकाहूतिरियारीकरकैपसुरियारीबिरहाआगिनहु
ने । नाथनेहनशाकीखुमारीहैकुमारीहूको मारीमारीफि
रतकुमारीरागिनीसुने १०॥५ श्रीरागपत्नीबिलावलीरागिनी
स्व० ब० स० ॥ पावसमावसकेतमसेतनभावसकैनाहिंनी
लमकेरी । पीतपटाकीछटाबिजुरीइवभूषण हेमपटातन
मेरी । नाथकेसाथलसीहुलसी निकसीजलदीतपगैधम
केरी। रागमैंबावलिभाँतबिलावलि गूढ़गितावलिबीनब
जेरी ११॥ गुणब० घ० ॥ साँवलकरतसखीजानकाजसाँ
वलपैबंशीसुनिपावलउतारकैउतावली । चावलगेजीय

घावलगेमानोतीयहीयपाँवलागिरोवैकहेसाथीतेज्योंबाव
ली।दांवलगेनिसहीमें कैसहीतरहचलहावभाव लालन
कीलहैगीसुखावली।बावलसेजीवजंतुनाथढिगभागेजा
तबनकेबिलावलीखुशीसुनेबिलावली १२॥ ६ श्रीरागपत्नी
बिरागीरागिनी स्व० व० स०॥ बरबैठिबघंबरपैपियनामज
पै तनअंबरयोगिनकेरी। करलैकरतालउतालबजावत
बालबिहालसीमैनकीप्रेरी। पियचातुरकोमगजोहतश्रा
तुर नैननकोरमरोरतरेरी। नाथकेहेतुबिरागीबनी यह
बाम।बिरागी।बिरागहिमेरी १३॥ गुणव० घ०॥ बिरागी
सीगतिमतिह्योतिप्रतितीयनकी बिरहथिरागीछेदकरत
कुदागीसी। ऐसीमृदुबागीबंशीबागीसीभईरी ब्रजबा
गीपशुपंछीहूकीरीतिप्रीतिपागीसी। परागीसुरागीभौ
रीदौरीबौरीकीसीबन चहुंश्रोरीकुंजपुंजछोरीछलत्यागी
सी। एकलागीदेहगेहसुधिबुधित्यागीतीय नाथकीबि
रागीरागिनीसुनेबिरागीसी १४॥ १ श्रीरागपुत्रजैतकल्या
न स्व० व० स०॥कमलासमदेखिकहूंनवला बिरहाकुल
व्याकुलभैहिततोके।कंतहिपायइकंततियागति श्रंतसी
कीन्हींदृगैजोकजाके। हालबेहाललखेनिजनाथके बीज
नतीगनहौलसेहांके। जैतकल्यानकेप्रानकेहोत कल्या
नमनोश्रसध्यानहैवाके १५॥ गुणव० घ०॥ चारहुदिशा
नवारीनारीसारीशानवारी मानश्रौगुमानवारीहियेमाँहि
श्राहिभरें।परदावारीबिचारीनिजकुलकानवारीबिबिधब
खानवारीसोऊश्रांशुहीढरैं। ज्ञानश्ररुध्यानवारीशठहठ
खानवारी सबहीसुबानश्रौकुबानवारीहूछरैं। कान्हकरता

नलागजयतकल्यानरागजयतकल्याननाथसखियानको
करैं १६॥ २ श्रीरागपुत्रषट स्व० व० स०॥ अनुरागसेबाग
मेंबैठिसुनाथप्रियानिजसाथसुआसनमाहीं।नाचनिरेख
कैजाँचबिशेखकैतानप्रमानकहैंप्रियापाहीं। अतिरूपकी
रासउभैसबिलासहुलासतेखासप्रियाकोरिभाहीं।खटरा
गसबैतजिकैखटरागसुअंकमेंतीयनिशंकलगाहीं १७॥
गुण व० घ० ॥ लागगयेहियेबानभाँतबाँसुरीकीतान स
खियानकेकरेजेमानोप्रेमअमीपाग। बागऔबगीचेकर
सुखसबनीचेलाग भागबहैसेजहूतेपरहेजगृहत्याग।
कागलखिसगुनबिचारैंप्यारेकान्हजूको धारेकरआलि
नकेग्वालिनचलीहैंभाग। जागजागअनुरागनाथसाथ
गईपाग घरकरखटरागत्यागसुनिखटराग१८॥ ३ श्री
रागसुतश्यामराम स्व० व० स०॥ गावतनाचतभावबता
वतकेलिकेधाममेंबामपियारी। मंजुलकंजलसैदोउकान
न केसरकीशिरखौरसँवारी।श्यामसुमेघसेश्यामसुराम
से हैंअभिरामअरामबिहारी। रूपकीरासमीआसाहिपा
सहि नाथकेसाथसजीनइनारी १९॥ गुण व० घ० ॥
ऊँचेऊँचेधामअभिरामहैंअरामजाहिसोऊआहिकरखी
जचीजतजींव्रजबाम। घनबनजोकुठामताहीकोसुठा
ममानैं भईहैंजबरजोअबररहींलंकछाम। आठौयाम
गृहकामको निकामखामजानैं ऐसीभईहैंसकामभूलीं
लाजहूकोनाम। ग्रामग्रामहूकीभामलामहूकी बाँधी
लामसुनि रागश्यामरामहिये बसेश्यामराम २०॥
४श्रीरागसुतबागेश्वर स्व० व० स०॥ शीशमहल्बिचनारि

नवल्‌सँग पीनकुचन्‌केकबित्तसुनावै। चन्द्रबदन्‌सेमदन्‌सेमनोहर लालअधरमणिलालसुहावै। लालसुघरसरपेचसजेशिर मालप्रबालउरन्‌बिचभावै। रागबरन्‌करअर्थकथन्‌कर नाथबगेश्वररीझैरिझावै २१॥ गुणव० घ०॥ सुघरसुघरघरत्यागेएकलागेलोग स्वर्गहूकेसुखगॅभागेसाथसुरेश्वर। लोगबागेबागेहूतजेहैंऐसेप्रेमपागे सुरमुनिअसुरप्रचुरजोअसंख्यतर। उपबनबागेघरकरअनुरागेत्यागे सबहीकीभामभईआगेकरप्रानेश्वर। रमेश्वरउमेश्वरनागेश्वरहूसिधारे बागेश्वरहूकीसुधिखोईरागबागेश्वर २२॥ ५श्रीरागसुतहेमराग स्व० व० स०॥ केलिसदन्‌बिचराजैमदन्‌सम चन्द्रबदन्‌तियसंगबिराजै। प्यारीमगन्‌मनपायसुहायके बीजनहाथडुलायकेछाजै। तीयश्रवन्‌साजिफूलकरन्‌उरहारसुमन्‌पहिरायसुसाजै। हेमबरन्‌तनहेमकल्यानको नाथप्रियाबसमेंरसराजै २३॥ गुणव० घ०॥ जासुघरखेमानितनेमप्रेमप्रानिनतेंसोऊसुनिबंशीटेमकीसीझलमलारही। केतीतीयछेमहूकोमानत अछेमकीसी प्रेमानिधिकान्हकीजोतानकाननेगही। लेमसीलगातीजोनजातीबनसखिसाथबेमनकीसतीसोऊतानमनदैदही। सखीसेमलतारूपबंशीनाथजूकीजूपहेमरागसुनिमानोरंकहेमलूटलही २४
६ श्रीरागसुतखेमकल्यान स्व० व० स०॥ आसहिपासहिखाससखीगण चित्तचहीतीतियैउरलावै। पानकरैअधरैमधुरै धरलोलकपोलहिचूमिचुमावै। औरनऔरनकोरनजोरनतेलखिमानिनिमानमचावै। मानगुमानमल्यो

मतिमानसे नाथसुखेमकल्यानकहावै २५ ॥ गुण व० ।
भूलना ॥ ज्ञानअरुध्यानसबस्यानपनभूलिगो हूलिगो
तानहियबंसुरीतानरी । म्यानतेखींचअसिमीचकोऊच
है बीचतेहिधायधरिसज्ञसखियानरी । जानकरदूधदधि
ज्यानकरगेरिकर जानकेकाजबनकुढ़िरहीजानरी । आ
नब्रजनाथढिगआनकीआनमें खेमकल्यानसुनिखेमक
ल्यानरी २६ ॥ १ श्रीरागपुत्रबधूदेवकलीरागिनी स्व० व०
स०॥केलिमहल्बिचहोतचुहल् अतिसेवतिहैंबरनारिन
बेली । मेघसजल्जसनीलकमल् तसगातसुहातमनो
नइबेली ।हारसुघरगजमुक्तनकेगरचूँदरचारपहल्रँग
मेली । मारनयन्केसयन्निजनाथहिं देवकलीअतिही
अलबेली २७॥ गुण व० घ० ॥ महीगिरीगिरीपरैंनिरी
सिरीकीसीसखी सुनिसुनिबंशीधुनिखोईज्ञानध्यानरी ।
घिरीनिजधामकामसोऊबामभईबाम तिरीफिरैमीनाजि
मिसूखेनदआनरी । फिरीकरैफिराहिरीप्रेमपगिरीसतीरी
मानोमंत्रमोहिनीतेघिरीआनसानरी । देवगिरीगोबर्द्धन
माहिंगूँजउठीनिरी नाथदेवगिरीरागिनीकीनीकीतानरी
२८॥२ श्रीरागपुत्रबधूमाँझरा०स्व०व०स० ॥ मधुमाधुरीती
यसुपीयपिलावतपीवतहैंरतिमंदिरमाहीं । प्रतिअंगनमें
बहुरंगनकेगनभूषनबस्त्रसरस्रसुहाहीं । हेमकीबेलीसीहै
अलबेलीसीजूपसेनाथगलेलिपटाहीं। प्रौढ़ाप्रियारतिरं
गाहियाअलकैंळलकैंबिचकेलिकलाहीं२९॥गुणब० घ०॥
बाँझसमसाँझभोरसुतासुतसेवातजी भजीजातस्यान
स्यानसखीकान्हतानगुने । आपुसहीमाँझघुरमाँझसी

करनलागीं लागींलोगदागीसीलगावेंचुनौतीचुने। भौंभओमृदंगसनकीरतनठाकुरके करतहुतीजोसतीसोऊअतीशीशधुने। माँभसीमचावैंनिजनाथसाथसासहूके साँभहीचलीहैंबनमाँभमाँभतानसुने ३० ॥ ३श्रीरागपुत्रबधूगौड़सारंगरागिनीस्व०ब०स० ॥ बागबिलोकतहैं अनुरागसे मौलसिरीतरुकेतरप्यारी। बीनबजावतगावतहैं सरसावतहैंसखियाँगणसारी। सारँगसेदृगसारँगआनन गौड़सुसारँगनाथपियारी। अंगनतेबहुरंगनके अतिमंदसुगन्धकदैदिशिचारी ३१ ॥ गुणव० भूलना ॥ सकलसारंगनैनीबेचैनीभई महामैनीमनोतानसुनिदंगरी। अंगनासुधिलहीकोऊब्रजअंगना अंगनाघरहुभूलींअलीसंगरी। भंगकेरंगसीसतीहूअतिमतीगतीइकनाथकीछांड़िसबरंगरी। देशजोगौड़सारंगतेहिठामको गौड़कंपतसुनेगौड़सारंगरी ३२ ॥ ४श्रीरागपुत्रबधूसरस्वतीरागिनीस्व०ब०स० ॥ बरचंदहुमन्दलगैंजेहिज्योतिते इन्दुसेचंदनबिन्दुबिराजे। अरबिंदसुश्वेतसुरासनहै बहुहीरनकेपटभूषणसाजे। निजनाथकोगावतहैगुणगाथ सुहाथसरस्वातिबल्लकिबाजे। दशनावलीकुंदकलीतेभली गृहबैठीइकंतसुकंतके काजे ३३ ॥ गुण व० घ० ॥ बसुमतीअप्सरादिहूकीगतीमतीथाकी पारबतीसतीहूअतीहीभईमोहवती। पद्मावतीरतीहूकीरतीनतीवाहीमाहिं केतीगुणवतीबुधिमतीतीयहूमती। सुरपतीहूकीपतिनीजोगुनीगुनी चुनीमुनिपतिनीहूनाथसाथभैबिमोहगती। व्यापतीहैबनसपती

कोकान्हबंशीतान रागिनीसरस्वतीसुनतमोहीसरस्वती ३४॥ ५ श्रीरागपुत्रबधूपरजरागिनी स्व०व०स०॥ जाव कहैपदपावकसेमृगशावकसेदृगभावकजीके। बासबुबासलसैचहुंपासहि कञ्चनसेतनजोबननीके। कंतइकंत सुलायसुसेजहि भेजहिभौननमेंगनतीके। नाथकोहाथ तेपावँमलै बरजैपरजैकरतीबिनतीके ३५॥ गुणव०घ०॥ मरजबुरोहैप्रेमनेमहीहरजवारो ताहूपैचतुरनरचहैंआपआपैंरी। गुणीहूगरजबसबसजातयाहीमाहिं छोटेतेबड़ेसबैलरजकरकांपैंरी। बरजबरजहारेतरजतरजसारे घरवारेगोपिनकोकैसेगृहथापैंरी। भागींदारकर्जदार कीसीब्रजनाथपास उरपरजहरपरजसुनिब्यापैंरी ३६॥ ६ श्रीरागपुत्रबधूजाजवन्ती रागिनीस्व०व० स०॥ अवदात सेगातसुहातसबै बिधुदेखलजातपरातसबेरे। चुतचौरसेचिक्कनचारुकचावलि पावलिभूषणबस्त्रघनेरे। परयंकपैप्रीतमअंककसे लचलंकसेहारटुटेबहुतेरे। रिसवंतीअतीजजवन्तीमती छबिवन्तीसुनाथहिनैनतरेरे ३७॥ गुणव०घ०॥ प्रेमनकीजंतीमेंकसीहैमनोतारकी सीनारनिजसंती घरबैठारीसुनारीचुनि। अनगंतीती यपरतंतीत्यागित्यागिभागीं भईहैंइकंतीकुंजपुंजसुनि बंशीधुनि। दंतीमदमत्तचालचलींउनमत्तबाल सारी बुधिमंतीहूसिधारींनिजभागगुनि। नाथढिगधाईंआईं घरभरकाजवंती लाजवंतीतीयहूभजी हैं जाजवन्ती सुनि ३८॥ श्रीरागकीसखीसंकोचीरागिनीस्व० व० स०॥शोचीशिंगारप्रकारसँकोची सँकोचीभईसखियाननिहारे।

भीनमहीननवीनसुबस्त्रनि भूषणहूनिरदूषणधारे । अंजनमंजनहूसजिकै मनरंजनकीतबबातउचारे। नाथकेहाथधरेबतरात सुसैनलेऐनसखीसबटारे ३९ ॥ गुणव० घ० ॥ मोचीदृगबारिबारिहूकुँवारिहारिहारि निजनिज प्यारितेकहतआगहीहुने। रोचीकामकीजोसोखरोचीहैनखन देहअरोचीसुरागरंगहूकोसुनेछातीधुने। खोंचीमाहिंबैठींजोइकंतनिजकंतपाहिं पोचीमतिकीसीभजींहयानामयागुने। कोंचीतीरकीसीबंशीभाजींतबैनाथतीरसँकोचीसखीहूसँकोचीसुरागिनीसुने४०॥श्रीसखापंचमरागस्व० व० स०॥ अनुरागनतेबरबागनते चुनिरंगबिरंगनिफूलनिल्यावै । निजनाथअगाररचेफुलवार सुद्वारदिवारलतालपटावै। बिमलाफबकेघमलाघनहैं चहुँपाससुबासभलेगमकावै । पुनितानबितानसुफूलनके गृहकूलनपंचमरागसुहावै ४१ ॥ गुणव० घ० ॥ पंचमसुमुखाशिवहूकोसुनिसुखव्यापे आपेमाहिंनाहिंकान्हतानछायेछनछन। तपकेप्रपंचमहासबहीबिहायचले मंजुमंचपारिहारिधायेहरिकुंजबन। सुरनकोवंचनदैनरनकीकौनकहै साचहूपिसाचहूकरीहैबंशीअनमन। रंचकनधीरधरेलागीसखिनाथगरे पंचमसुरागसुनेपंचमहीचाहैंधन ४२॥

इतिश्रीरागपरिवारभेद सम्पूर्णम्॥

अथचतुर्थबसंतरागपरिवार ब०॥

स०॥ मारहुतेसुकुमारकुमारसेचंद दुचंदसेगातगोराई। सर्बशिंगारसवांरसुअंगनिमोरकेपंखनशीशसुहाई। केसरखौरसुगौरसीदेहमें आमकेमौरहिनाथखुसाई। छूटे

फुहारेनिहारेखरे अतिबागबहारेबसंतकेछाई १॥ गुणव० घ० ॥संतऔअसंतहूसबाहितंतमंतछांड़े बीरधीरबुधिमं तकेहैंहंतहंतअति । कृमिपरयंतजीवजंतुजेअनंतजग दंतीदंतहीदरैरें पेरैंपेंड़टेढ़गाति। बिलसंतसमैमाहिंकंत साथजोइकंत सोऊचलीअंतहीपरायअलीजोसुमाति । एकतंतब्रजनाथसाथप्रेमनेमठानी बंशीमेंबसंतरागकरै नशअंतगति २॥ १ बसंतपत्नीललितरागिनीस्व०व० स०॥ ललितैललितैसबसाजसजे ललितैलसिअंगकेरंगनि काई । सुखसेजसवांरिसुधारिअती बिपरीतरतीपती साथसुहाई । द्युतिदूनीदिपैदुरिदामिनिसी सुरभामिनि सीसुखमाअधिकाई । चहिचूमतनाथसुलोलकपोलनि अङ्कभरेअतिलङ्कलचाई ३ ॥ गुणब० घ० ॥ शाखा शाखाविशाखाजूहेरेकृष्णकृष्णटेरे चन्द्रभागाकेहैमेरेस ङ्गचन्द्रभागाजात। चम्पकलताकीद्युतिचम्पकलतासी सूखी तुङ्गविद्याकेहैतुङ्गविद्याहरीकरीघात । रंगदेबी कहैरंगदेबीकोचढ़ैहोजोतो मिलैनाथभईइन्दुरेखाइन्दु रेखाभाँत । ललितालालितसीछलितसीहैं आठौसखी रागिनीललितमुरलीकल्लितहीसुनात ४ ॥ २बसन्त पत्नीबिभासरागिनीस्व०ब० स० ॥ मृदुमंजुलसेमसनन्दपै सोहैअनन्दसे भामिनिभौनबिहाने । तहँनिर्खतनाच सुजाँचकेसाजन खासबिभासकेरूपबखाने । पियनिर्त्त तहैंततथेईथेई गतिलेईनईसीरिझायरिझाने। दृगलो लकपोलकलोलकरै परिहासबिभासतेनाथजूठाने ५ ॥ गुणब० घ० ॥ अतिशैउदासदासीदासखासहूनपासकी

न्हीहैप्रवासजितैश्यामसुखरासरी । बासनिजभावैना हिंबनकोप्रयासकरै सुरीबाँसुरीसुनेतेलेतहैउसासरी । होयकेहिरासातियघरतेनिरासभई पथअप्रकासत्रासरा सजहैँभासरी। पाईहैसुपासबीचखींचआईनाथपास पा ससीबिभासयहरागिनीबिभासरी ६॥ ३ बसंतपत्नीपटमंज रीरागिनीस्व०व० स० ॥ मनरौनकोपातीलिखैगहिमौनसु केलिकेभौनसुधारपियारी। मृदुफूलकीमंजरीसीपटमंज रीपंजरीदीसैबियोगतेसारी।सखिपाछेसेआछेसेचौरढुरै इकआगेमुरैपनदानसुधारी । निजनाथहिनाथपुकारेअ नाथसी हाथतेमाथधरैचुपमारी ७॥ गुणव०घ० ॥ सारे कुंजकुंजगुंजपुंजरवबांसुरीके लुंजसीचिरैयादैयाभईहैंबे कामकी । मुंजबनकेसुशाखासबैउनयेनयेसे लतापता लताकेसेरंगतनिकामकी।खंजरीभईहैखंजरीटकीटहूकी देह झंझरीसीलसैलतागेहघनीठामकी। गईपटमंजरी बनाहिबनघनआली पटमंजरीसुरागिनीसुनतश्यामकी ८॥ ४ बसन्तपत्नीपंचमीरागिनीस्व०व०स० ॥ कुंजनपुंजन मेंमृदुगुंजननाचेप्रियानिजनाथकेआगे। गोरीसीभोरी सीबैससुथोरीसी चोरीसीचित्तकरैइकलागे। साजेजड़ा वकेजेवरबस्तर मस्तप्रशस्तरहेरसपागे। बागमेंपञ्चमी चाहेसुपञ्चमी कंचुकीसारीसवाँरीसुरागे९ ॥ गुणव०घ०॥ अधमीऔऊधमीहूसबहीबेगमीनारखिलीहैंअनारदाने कीसीअनुरागिनी। तानजमीजमाईजोकान्हकरवंशीबी चरमीरोमरोमलईखींचप्रेमपागिनी ॥बरमीसीछेदैछाती ऐसीकसबातीघाती घरमीहूबेधरमीकरैंउरलागिनी। सु

न्दरश्रीपञ्चमीकीतजिकैतयारीसारी नाथपैसिधारींसुनि
पंचमीसुरागिनी १०॥ ५ बसन्तपत्नीगूजरीरागिनीस्व०व०
स० ॥ सांवरिसुन्दरिलोनीसलोनीसीयेअनहोनी छबी
छहरेरी। चिकुरैंचटकीलेचोटीलेभले मखतूलहुनाहिंन
तूलसकेरी । तरुचन्दनकेतरसुन्दरसे बरबीनमहीनसु
नाथसुनेरी । धुनिगूजरीगूजरीकीबनमें अतिऊजरीसा
रीसजेतनमेरी ११॥ गुण ब० घ० ॥ सारीदेहऊजरीसो
मूजरीभईहैसखि बंशीधुनिसुनिनईछातीगईभूजरी ।
इच्छासारीपूजरीसकलपशुपंछिनके झूलैंद्रुमडारनपैभू
लैंसबैकूजरी । गूँजरीगईहैतानमंजुकुंजपुंजआनए
केपैरखड़ीअड़ीमृगीमनोलूँजरी । तजिनिजगूजरीसुभौ
रीदौरींनाथढिगमोहींगूजरीसुरागिनीसुनतगूजरी १२॥
६ बसंतपत्नीटोड़ीरागिनस्वि० ब० स० ॥ आमनकीधरिमं
जरिकाननकर्नफुलेकरिशीशफुलेरी।छैलछबीलेछलेहैंछ
बीलीतेछाजेछपाकरकीछबितेरी। नाथकेसौंहैंकियेसतरौ
हैंसुभौंहैंनचैंस्वरतालजँचेरी। टोड़ीकीजोड़ीलखीनपडी
जगकोऊनिगोड़ीपरीहुनहेरी १३॥ गुणब० घ० ॥ तोड़ी
सानआनबानबड़ीघरफोड़ीजान अलीयहभलीमुरली
कीफूकैहूकैप्रान । बँशियानिगोड़ीकाहूकीनगोड़ीलागन
दैहोडीकीसीहोड़ करमानिनकोहरैमान । जोड़ीनाहिंज
गमाहिंकासोंनेहजोड़ीनाहिं यातेमुखमोड़ी कौनछोड़ी
कौनयाकोठान । घतियाँकरोड़ीलायरतियाँअधिकभाय
चटोड़ीसीभईसुनिनाथकरटोड़ीतान १४॥ १बसन्तरागपुत्र
दीपकस्व० ब० स० ॥ दीपकरागसुदीपसेदीपतकामउदी

पनहैतनजाके। दीपनमाहिंउजागरिनागरिसोई सुमंदि
रदीपबुझाके। आयअचानकलायहियापिया भूषणरत्न
केपायप्रभाके। नाथकेहाथबेहाथसीबालबिहालसीलाल
रमैमनभाके १५ ॥ गुणब० घ० ॥ दीपदीपहीकेझीपकहैं
बिरागीसुरागीआगीसीजनातनाथबाँसुरीसुरीसुनातं ।
प्रतीपकश्रुतिकेजो बिचारतरतसाधूनारदबिशारदऔ
तुंबुरुहूबिललात। एकटीपकहींजोलगायेलालमनभाये
परीपरीबिद्याधराकिन्नरहूसुरझात। जीपकगयेरीघरमेरी
सखियाँकहेंरी दीपककेरागसुनिदीपकसीजरीजात १६॥
२ बसंतपुत्रदेसाख स्व० व० स० ॥ बाँधिसुअस्त्रनिशस्त्रनि
युद्धमेंसाजिसुबस्त्रनिबीरसेबाँके। खंडहिखंडकियेरिपुझुं
डहि भूमिअखंडप्रचंडपताके। तनकेतनहैंनवयौवनसे
धनलाखमेंरागदेसाखकेसाके। नाथअनाथकेहैंनितही
निजसाथिनसाथलसैंहुलसाके १७ ॥ गुण व० घ० ॥
शाखनपैपंछीगनभाखनहूँत्यागिदीन्ही लाखनहूजीवग
नसुनैंबंशीसुखते। परबतपाखनमेंलायेजोसमाधसाध
सोऊसाधताखनकीमूरतिकेरुखते। माखनगुनततीयघ
रकेकुबातनकी माखनाबिलोयगोयधाईबनदुखते। देव
कोदेसाखभाखसखीलखीलाखनमें रागदेसाखएकैनाथ
जूकेमुखते १८ ॥ ३ बसंतपुत्रबिहाग स्व० व० स० ॥ चं
पकसेभलेगातसुहातहैं भूषनकंचनकेमिलमोहैं। मंजुल
सेमुकुरालयमेंलय बोलयचालयचित्रिनसोहैं। दंतसे
दंतप्रियातेलरेअधरेधरे पीनउरोजगहोहैं। नाथबिहाग
सुरागसुरागते दर्पणतेमुखदर्पणजोहैं १९ ॥ गुण व०

घ० ॥ जागपरीसोवतहुतीजोभागवतीसती कान्हतान
जागउठीबानसमलागरी । लागरीसीनौलनागरीसुना
गरीहूतजी नागरीधौंकारीशातकैधौंलागआगरी । आ
गरीहूद्वारकीलगाई नाहिंधाईवाहिं सुधिबुधिबिसराई
लाईकुलदागरी । दागरीदईहैदेहनाथनेहआगरीजो
दिलदबिहागयोरी सुनतबिहागरी २० ॥ ४ बसन्त
पुत्रसहाना स्व० ब० स० ॥ चितचाहसेब्याहाकिये से
हरा चेहरापैदियेबपुबागाजरीके । बहुबद्धीसजैमुहँब
द्धीकली दोहरातेहरादुलरीतिलरीके । सुठिसूहाकेजूहा
लिबाससबै चुनिचीरापटूकाभभूकासरीके । गावतराग
सहानासखीसब नाथसहानासजैफबनीके २१ ॥ गुणब०
घ० ॥ सहानाहिंजातबीरबेदनबँसुरियाकी सहानाऔ
चारकेसेरंगअंगअंगके । रहानाहिंजातथिरघरनासेघर
लागे कहानाहिंजातकछुगजबकुरंगके । कहानाहिंकरे
नाथहूकेअतिलरेभिरे गहानाहिंजातधीरपीरहैकुढंगके।
जहांनातहाँनादिलदीनहूकेसहानासे सुनतसहानातान
बंशीकेतरंगके २२॥ ५बसन्तपुत्रसारंगनटस्व०ब० स० ॥ प्रे
मकदम्बकदम्बतरे तरुडारधरेपथहेरेप्रियाके । देहन
कीद्युतिकुंदनसी दिपैबेधतहैकतकामाहियाके । ख्याल
हिख्यालहिगावैंखरे शिरकेसरकेबरखौरलगाके। नाथ
सुसारँगनाटउचाटसे चाटलगीलखेबाटतियाके २३ ॥
गुणब० झूलना ॥ अंगनाअंगनाबीचलोटैंसबै घरनजन
संगजनुठानतींजंगरी । चंगमुरचंगमिरदंगमें जोलगा
सोभगींभामभइँकामबशदंगरी । पगींरसरंगरीशिथि

लसबअंगरी चलतबेढंगबनभईअतितंगरी । सकल
सारंगकेसंगमिलि धावहींसुनतसारंगनटनाथकेसंगरी
२४॥ ६बसन्तपुत्रअहीरनटस्व०ब० स० ॥ शीशपैगुच्छसे
मोरकेपुच्छहैं कच्छनपीतपटाछहरेरी । पावसकेघनते
तननूतन ठाढ़ोजहांयमुनालहरेरी । माँगतहाथपसारि
केनाथ नईनवलानतेदानअनेरी । पटकेमटकेचटकेम
टके सबहीतेहमीरनटेअटकेरी २५॥ गुणब०घ० ॥ अट
पटबोलेंबैनखटपटमाचैऐन सीधीसखिनाथनटखटसीब
नायेरी । उलटपलटझटपटअभरनसाजें भाजेंगति
लटपटलटछटकायेरी । अनवटसनवटगुनैनाहिंएकोने
को गुटकरिआपुसमेंछटपटछायेरी । अजबअहीरनट
बंशीबीच ठटबटरागाहिअहीरनटअनटसुनायेरी २६
७बसन्तपुत्रबधूसोरठरागिनीस्व०ब०स० ॥ दुतिअद्भुतिदेह
कीहेमसीदीपति काननीलसुकंजनधारी । अलिपुंजन
केगुरुगुंजनकेदोउ श्रौनहिश्रौनकरैंरुचिकारी । नवर
ल्लनकेउरहारसवाँर पयोधरभारलचैसुकुमारी । निजना
थकेसाथकेहेतु चलीअधरातअलीतजिसोरठप्यारी२७
गुणव० घ० ॥ चारोंओरघोरशोरमाचैंमोरगणनाचैं चात
कचकोरजोरजोरपाँतआवैंरी । मोरमोरमुखमृगीमृगजे
तीढिगीसोऊभगीं बनओरछोरघोरजन्तुधावैंरी । तोर
तोरधीरबीरकुललाजगृहकाज अलीकेसमाजभाजच
लींतेहिठावैंरी। नाथचित्तचोरलईरुखमुखमोरदई शोर
ठईसोरठसुनतसखीधावैंरी २८ ॥ २बसन्तपुत्रबधूदेवकली
वादेवगिरीरागिनीस्व०व०स०॥ गरबीलीछबीलीसुनीलीसी

संरसीलीसीकुंभकुचीबरबाला। बनमालाबिशालासुफूलनके तनसोंहैंजड़ावकेजेवरआला। अंगिरातजम्हात छैनैछनपै निजनाथकेसाथचहैसुखशाला। अतिदेहगिरीसमदेवगिरीकरनैनसमैनमनोमतवाला २९ ॥ गुण व० घ० ॥जाहीगेहपलीताहीनेहभलीनाहिंकरै जबहींते कान्हकरबंशीतानकानपरी। पावलीहूकेशबदजासुना सुनाहैकोऊ सोऊबधूबावलीसी लाजत्याजभाजटरी। वृषभानललीहूअलगअवलीअलीलै बेकलीतेनिकली हैगूंथनकलीहूधरी। जाहिनिरभेवदेवीदेव सेवरहेनाथ देवकलीरागिनीसुनत देवकलीझरी ३० ॥ ३ बसंत पुत्रबधूबंगालीरागिनी ॥ स्व० व०स० ॥ जोतअकूतसीहोत बिभूतज्योंचंदपैमंदसी बादरीछाई। बायेंत्रिशूलधरेभुजमूलसुदायेंकरैतुरहीधुधकाई। अलबेलीसीनौलनबेलीभली अलफीगरसेल्हीपटागेरुआई। नाथबियोगिनियोगिनिचाली बँगालीनिरालीनिकालीनिकाई ३१॥ गुण व० घ० ॥ गंगालीउठायसीसीहरद्वारकीजोदीसीचलिबेकीसोहैंकरैंसोहैंसबैआलीरी। दंगालीबलायशिर निजनिजप्राणिनकीलरिलरिजातखातकेतनकीगालीरी जंगालीलगेहैं जिमिचीकनेसुदर्पणमें दागलागचांदहूमेंतिमिमुखलालीरी। बंशीनाथनिधिमानधाई कंगाली समान बंगालीकीजादूजानरागिनिबंगालीरी ३२ ॥ ४बसंतपुत्रबधूत्रिवेनी रागिनी ॥ स्व० व० स० ॥ बरबेनीत्रिबेनीकीसोहैत्रिबेनीसीतापरश्रेनीघनीअलिछाई। बिधुदेखिछपाअतिचंपाचँपाकलपाकरै पेखिअनंगकीप्यारी।

निजनाथकेसाथअलीकदली तरबागबहारनिहारबिहारी। कुचकुंभते लंकसुछामतेबाम भुकैउभकै लचकैसुकुमारी ३३॥ गुण व० घ०॥ छेनीकीसीछांटैछैंटेछँटे छलछोभिनके छातीछिदछिदजातछाईछमाकीछरेनी। कोऊबकेभकेछीरछांड़े समैदोहनके कोऊखाजाफेनीखाततजीसजीसेजफेनी। बेंदीकोऊगूंधतहुतीतियाहियातेसोऊ बेनीके सँवारेपगधारेमगसाखिश्रेनी। तीनसुरसेनीरसभेनीस्वर्गकीनिसेनी रागिनीत्रिबेनीनाथमुख ज्योंकढ़ीत्रिबेनी ३४॥ ५ बसन्तपुत्रबधूगुनकरी॥ स्व० व० स० भूषणवस्त्रबिहीनमलीनसी साजनकेबिनुदीनजनाई। रूपकीसीवँसीग्रीवँनवायके नाहकीराहतकैघबराई। अँखियादुखियाअरुनासीभरीसखियातेकहैअबनाजियोंमाई। सबगुनाकरिहैगुनआकरिनाथकेसाथबिनातलफाई ३५ गुण व० घ०॥ सर्वसुखकारीखरीतीयतनमनहरी हरीकरबंशीतानविषमबिरहभरी। हरीहरीपेड़पातिहूकीफबछबटरी प्रीतिफंदपरीताते प्रीतरंगहीभरी। लचरीसीजातदेह कचरीसीसूखीसखीबिचरीबिपिनछांड़ि सहचरीहूखरी। नाथसाथगुनभरीछेमऔअछेमकरी सबगुनकरीहरी रागिनीहैगुनकरी ३६।६बसंतपुत्रबधूखंभावतीस्व०ब०स०॥ मातिमदन्नातियकेलिसदन्नबिच लेतिउतानसुतानहिप्यारी। चारुचतुरसुरतालमेंपुरद्युतिदामिनिसीदमकैउजियारी। रागसुघरकरमानो सुघरबस्कोयलकेकलहूभलहारी। सोहैबसन्नअभरन्नतनहीतन भावतिनाथखँभावतिनारी ३७॥ गुणब० घ०॥ बनसतीपद्मावती

अतीमोहवतीभई सुखमावतीजोसतीलतीकामदुखते।
रागद्वेषवतीअनुरागवतीनाईभई भाग्यवतीलाजवती
तीयएकरुखते। सकलसुबुद्धिमतीबागमतीकीहू मती
मतीमनोनशाकीसीबंशीतानसुखते । कदलीखँभावती
सुजघनीघनीबनीसी खँभावतीरागिनीसुनतनाथमुखते
३८॥ बसंतसखीसारंगस्व० ब०स०॥कल्पलतातरुकेतरसु
न्दरबीनप्रबीनछिड़ैसखिसोहै।गावतगीतरिझावतप्रीत
तेरीततेआलिनकेमनमोहै। लाँबीसीचोटीकरैचितचोटी
सीचातुरचारुजोनेकहुजोहै । सारँगसेदृगसारँगकेगु
णगाथसुनाथकेगावतसोहै ३९ ॥ गुणब०। झूलना॥ गं
गकेरंगसीतानधाराबही तरलातिरभंगसीकान्हमुखसंग
है। सुनतसानंगसीदंगसखियाँभई तानकीप्रीततेपीत
तनरंगहै। तंगअतिरोकअरुटोकतेभंगमन बिरहबहु
व्यापतनतापउत्तंगहै । बिपिनसारंगसारंगनैनीसहित
रागिनीनाथकरसुनतसारंगहै ४० ॥ बसंतसखाकल्यानन
ट स्व० ब० स०॥ बीरधनुरधरबीचसमरबररूपअमरसे
कमरकासिगाजे। तेगतबरकटिबाँधेजबरहाथियारअगर
वोबगरबहुसाजे । लालदृगनसेलखैरिपुगनसुबरनके
बरनतिलकैशिरराजे । धुरधानैनिकरबरबैरिनिकरबर
नाथकल्याननटैभटैभ्राजे ४१ ॥ गुणव० घ०॥ सगरे
जहानकरजानयहबंशीजान तापरतेसुंदरसुजानश्याम
ओठैंठट । तासुअमीरमीबंशीदरम्यानआनजमी ताते
बढ़ीशानमानगुणहूतेगईपट । एकैतानकेसुनेतेंतनमन
देततानध्यानाकियेहियेमनकौनकोनजातलट । नाथके

निकटअलीगलीतेचलीभूपट करतकल्यानसारीसखि कोकल्याननट २६ ॥ इतिबसन्तरागसपरिवारसंपूर्णम् ॥

अथपंचमकरनाटरागपरिवारस्व० व० स० ॥

द्युतिकेकीकेकंठश्रीकंठसीसूरतिमूरतिपूरतिप्रीति पियारी। दोउकाननकूललसेमृदुफूलसुकेवरा भूलरहेदिशिचारी। मसनंदपैनाथअनंदलहेसमुहेतरवारसुधार सँवारी। करनाटसुराजसठाटठटे तहँगावतमूरावजावेसुनारी १ ॥ गुणव० घ० ॥ कोउनाटलीहैं अलीचलीभलीकुंजगली फूलकरनाटपाकैरसजासुबाटबाट। धरनाधरतनहिंटारेंटरेद्वारेपर दरनाटरतनिजपौरपै परीउचाट। घरनामेंडारेगायकीसीसारेघरवारे वाहूतूरतारकेसिधारे सखिलखिबाट। थिरनाटँगेसेमनलसेनाथबंशीसुनि करनाटरतउरतेसुनतकरनाट २ ॥ १ करनाटपत्नी नटीरागिनीस्व०व०स० ॥ इकतौकुचकुंभधरेदोहरेदुसरेशिरकंचनकुंभसुधारी। रसरीकसरीदुइखंभनपैतेहिपैचढ़िनाचतगावतप्यारी। इकओरहैंआलीकपालीभली इकछोरछटीनटीछाईछटारी। चितचञ्चलचारुचुरीचुँदरी चटकीलीसुनाथबशीकरडारी ३ ॥ गुणव०घ० ॥ लटीजातदेहनेहबिबशअबशाकीसीलटीजटीसीहूसीमंतिनीज्योंविरागिनी। छँटीजादूगीरनीकीनाईनीकीबंशीतान कान्हकरकानधरसुनतसुभागिनी। पलटीहौंनिजनीतउलटीहैकुलरीत बिलटीसीजातगशखात्तप्रेमपागिनी। कपटीहूसखीतेपटीहैकुंजकुटीआज नटीकीसीटोनाकरैनाथनटीरागिनी ४ ॥ २ करनाटपत्नीभूपा

लीरागिनी स्व० व० स० ॥ कल्लकेलिअगारसँवार शिंगा
रकेद्वारपैप्रीतमकेपथहेरे । बहुबासगयेथलवाससुवास
ते हासविलासकेआसकियेरे । पनदानहुअत्तरदानभरे
गुलदानधरेसुथरेचहुंफेरे। भल्लभौनभुपालीसिसाजभुपा
ली कृपालीसीनाथकेसाथचहेरे ५ ॥ गुण ब० घ० ॥
बनमालीस्यालीनिकालीनिरालीजादू युक्तिजामेंब्रज
ग्वालीहालीआवैंचुनिचुनिकै । खालीएकतानबंशीमेंब
जायडालीलालधाईसुखसालीजोरसालआलीगुनिकै।
सोहिनीसीग्वालीतापैमोहिनीसीडालीमनो बिलपैंब्रिहा
लीचालीउरशिरधुनिकै । भुपालीवैभवहूत्यागिवनभा
गिचलीं नाथकीभुपालीरागिनीकीधुनिसुनिकै ६ ॥ ३
करनाटपत्नीकल्यानरागिनी स्व० व० स० ॥ सर्बशिंगारसँवा
रसुकेलि अगारमेंनाचतसाथसहेली । रीझततीयरि
झावतपीयसुभावबतावतआपअकेली । स्वेदनबुंदनते
भरेआनन कुंदनसेतनहैअलबेली । खानकल्यानकीहै
जोकल्यानाहिं नाथहैजूपप्रियाजिमिबेली ७ ॥ गुणव० ।
घ० ॥ मानभरीगाहिरेगुमानभरीशानभरी तानभरीबाँसु
रीसुरीलीरसखानरी । ज्ञानहरीध्यानहरीसबैसुखखानह
री तापैखानपानहरीजोखिमसीजानरी । आनगईबान
गईजानपहचानगई कुलकुलकानगईहानभईठानरी ।
आनसखिसाथआनपहुँचीहैनाथसाथ रागिनीकल्यान
सुनेतियकेकल्यानरी ८ ॥ ४ करनाटपत्नीरामकलीरागिनी
स्व० व० स० ॥ पूजातिहैरघुनाथसियाकर मूरतिसुंदर
मंदिरमाहीं । कंचनकेनवरत्नकेमाणि मंडपकेलपकेपर

छाहीं। बायेंकरेजपमालधरे अरुदायेंउतारतिआरति चाहीं। रामकलीबिकलीसीअली सगुनैगुनैनाथकोका गउड़ाहीं ९ ॥ गुणव० ध० ॥ मेलीकानमाहिंमेलीकान्ह अनमेलीधुनि नवेलीकोगुसाईकीनाईंचेलीमूड़रखी। सेलीअलफीसँवारनारभेषयोगिनकी लैकरबिभूतिढेली चलीमानोअलखी। बेलीकेनिकुंजनछैनिकलीसहेली साथभेलीबनदुखपैअपेलीसुखहूचखी। अलबेलीअके लीदुकेलीचलीनाथकुंजरामकलीरागिनीसकेली सतीहू सखी १० ॥ करनाटपत्नीकामोद स्व०व०स०॥ चुपचापबिला पकलापकरै तियहाँफतकाँपतकुंजनजाई। पटपीतसुगा तहुपीतसबै बिरहाकुलब्याकुलसंकुलधाई। द्युतिभोर केचंदसीमंदकला बिकलाबिननाथकेमौनलगाई। सुथ रीबिथुरीअलकैंछलकैंबिनमोदकमोदरहीशिरनाई ११ गुणव० ध० ॥ पियगोदमेंसमोदबैठीजोबिनोदबीच सो ऊखींचपरमप्रमोदबिरागीसीबन। गोदनागोदावतहुती जोएकयुवतीसो गोदनातेदूनालहीबेदनातनाहिंतन। ओदबस्त्रवारीहूसिधारीजोनहातहुती तोंदवारीहूभगा हैलगीजोसरोदफन। कुम्हिलाईज्योंकमोदसुनिरागिनी कमोद नाथब्रजचंदहेतुधाईहैंप्रमोदबन १२ ॥ ६ कर नाटपत्नी गारारागिनी स्व० व० स०॥ कंचनसेतनरंचनहै कमराजैतियामाणिमंचनमेरी। बेनीसुभालमेंलालल सै अरुलालहिचंदनरेखसजेरी। झपटाततियालपटात पिया हियापूरापिपीलिकाज्योंगुड़तेरी। गारानगाराहुचोट दिये नसुनैरमैनाथसखीसमुहेरी १३ ॥ गुणव० ध० ॥

सारानेमग्रहकोबिसाराहैपसाराप्रेम अवसाराबीचतेस खीकरैइसाराको । दाराकोबजायकोऊगावतहुतीजो दाराकृपनाहूउदारासीतजीघरद्वाराको । काराकान्हवं शीबीचन्याराराताननमाराखींच जुश्रासमहाराप्राणछांड़ि प्रतिप्याराको । ब्रजनाथपैपधारातीयगणभाँतधारारा गिनीजोगारासोबिगारादेवदाराको १४॥ १ करनाटपुत्र मारूराग स्व० ब० स०॥ बरबीरशरीरमहारणधीर सुतीर कमानलियेरणराजै । चतुरंगिणीसेनसुखेनहैसंग सजे मतवारेमतंगबिराजै । दृगलालबिशालसुलालहीचीर सुबीरसेबैरिनिब्वन्दपैगाजै । नवनाथसेमारूरिपूनको मारूसेभारूसेभारूहथ्यारहुछाजै १५॥ गुणव० घ०॥ बारूसेंउड़तमनबारूदहीकान्हतान काकेहैउबारूप्रान भारूखँभारूअरी । दारूसेचढ़तनशातारूलौंचटकि जातअगारूपछारूकी खबरनाघरीघरी । परमपछारू यहमानिनीकेमानशान भवनबिगारूकाकीसुधिबुधिना हरी। जादूडारूसखियांनिकारूबड़ोनाथकारूनिजजान मारूयहमारूरागहैछरी १६॥२ करनाटपुत्रबहुनागर स्व० ब० स० ॥ शीशमहल्मेंनवल्पियबैठिकेऐंठिकेपागकैं पेंचसँवारे। सुखकंदमहाछबिचंदलहा दुखद्वन्ददहासब हीकरप्यारे। अतिश्रासहिपाससुवासलसेचुनिचंदनच र्चितचारुचुपारे । नवनागरनाथसेहैबहुनागरआगरहै गुणकेसुखवारे १७॥ गुणव० घ०॥ सबगुणआगरसी लागरसीभईनौल नागरसुनागरमेंआदरजोपावैरी । म नशानसागरजोजागतउजागरजो चातुरीमेंकागरसीसु

धिहुडावैंरी। गागरभरतहुतींसोऊतोरडागरमें छागर सीदौरींबनबौरी चितचावैंरी। नागरलगायेबिनुनाथछ बीलीनछोड़ें रागबहुनागरसुनागरसुनावैंरी १८॥ ३क रनाटपुत्रटंकराग स्व० ब० स०॥ पिरहीअसहोयरहीबिरही थिरहीनहींहोतकहींपियप्यारी। घसिकैंघनसारउसीर सँवार लगावतबाराहिबारबिचारी। तितताछनसाजन जायपरे चितचिंतितदेखिकुचिंतहिटारी। नाथसुटंकम यंकमुखी अतिअंकहिलायाबिलायदवारी १९॥ गुणव० घ०॥ अतिहिसशंकशंककरैंनिजछाया लखि लंकछामवा रीनारीहियेनेहजागरी। अंकपियबैठीसोऊअंकसीगिन तपलपरयंकसोईसोईचौंकपरीनागरी। बीछूडंककेसे अंकतानकरैकान्हतान अतनआतंकजनुतियनपैंजाग री। नाथकेबियोगीरोगीटंकसमतासुहेत औषधकेटंक केसेभयेटंकरागरी २०॥ ४ करनाटपुत्रसागरराग स्व० ब० स०॥ शुचिश्यामसरोरुहसेशुभसूरत घूरतहैंनिजप्राण पियारी। प्रियलालाकेनैनगुलालाभये अतिआलासेप्या लाकीछाईखुमारी। झुकिझूमतघूमतदूमतहै तनअंक मयंकमुखीकसिनारी। रतिनाथसेरागसुसागरहै गुण आगरसेबिलसेपियप्यारी २१॥ गुणव० घ०॥ जगत उजागरअनूपरूपआगरसी यौबनमेंनागरसोबनबन भागरहीं। लागरहीजातेतातेप्रीतिरीतिलागरही संग बनजैबेकाजकेतीतीयलागरहीं। डाँगरसीदूमेतियघूमे बनडागरमें जागरहूनाहिताहिनसासमजागरही। सा गरहेमुरझायधूपखायतैसेकाय नाथरागसागरकेसुनि

रागसागरहीं २२ ॥ ५ करनाटपुत्रलंकदहनराग स्व० ब० स० ॥ लंकदहनूसमलंकदहनूमन व्याकुलहैबिरहासन भारी। दावाअनलसमलागेकमलअँग ऐसेबिकलबि नप्राणपियारी। कुंजसघनाबिचघूमेअतनूयुत बेलीनबे लीसीधैअँकवारी। जानिअचलसेअटलसेभये बिह्व लअँगअंगनाकेबिनखारी २३ ॥ गुणव० घ० ॥ गुरुज नहूकीशंकमानैनानिशंकसखीअंकनके बालकनहूकीना हिंचहनहै। कंकरंकहूकीबेटीपंकमेंलपेटीसोऊ सबहीकी हीकीजीकीएकहीसीरहनहै। अतिशैसशंकसोअशंक सीभईहैंबाल नाथकीअदंकहूनमानेनेककहनहै। गात लंकदहनसमानहोतहैंअमान रागलंकदहनसुनेकलंक दहनहै २४ ॥ ६ करनाटपुत्रगौड़मालवराग स्व० ब० स० ॥ अनुरागसेपागसजैशिरपै जहँबागमेंलागसुगंधघनेरे। अँगुरीमुँदरीसुँदरीमणिकी पहुँचीजोपताकीसुबाँकीस जेरे। फरकैंदोउगोलकपोलसुलोलसे नैनसमैनसुसैन तरेरे। तनगोरसेमालवदेशकेमालव रागचलेपियप्यारी बसेरे २५ ॥ गुणव० घ० ॥ सकलनिचोड़रसरागन औबाजनके जोड़कान्हबाँसुरीकेनेकोनाहिंएकोधुनि। तोड़फोड़लावेसारेसाजनसमाजनमें जोड़सकेयामेंनाहिं कोऊगुणीगुणगुनि। जबैरनछोड़छोड़दीन्हीएकतानतो ड़ तबैसबैछोड़चलींअलीभलीहीयहुनि। गोड़गोड़धा ईअतिरोकतनिगोड़नाथ प्रभुगोड़मालौलगीरागगोड़ मालौसुनि २६ ॥ १ करनाटपुत्रबधूककुंभरागिनी स्व० व० स० ॥ चित्रितचारुसेचीराबिचित्रसे शत्रुहुकोयहमित्र

सीभावै। जासुछबीछपिजातछपाकर चंपकहारहिधार छपावै। घोरकठोरकुचैअतिलंक लचैमदआलसखूब बचावै। रागिनीजोककुभैकेउभैदृग कोरसुनाथहिओर चलावै २७ ॥ गुणव० घ० ॥ शुभकाजहूमेंछाजरहीजो समाजबाल भंईहैबिहालहालअशुभस्वरूपधूर। चुभ सीगईहैजानसुईकीसीबंशीतान खुभसनसासुकीसहत चिततूरतूर। गुभसीगईहैहियेनावककीतीरकीसी का ढ़िनासकतकोऊकेतोहोयबीरशूर। लुभसीगईहैबुधिना थअनुरागिनीसी रागिनीककुभसुनिसकलककुभपूर २८॥ २करनाटपुत्रबधूअहेरीरागिनीस्व०व० स० ॥ बरतीय अखंडलकीछबिछाजत भूमिअखंडलहीनहिवैसी। सुर मंडलहूमेंलखीनसखीसुकमंडलआयुधतीयनऐसी। कुं डलकुंडलसेज्योंअमीकच कुंडलीकीफबभौरिनजैसी। हे रीअहेरीसुनाथकीराहहिचाहहिआवनभौनचितैसी २९ गुण व०घ० ॥ टेरीजोकुँवरकान्हबेरीबेरीबंशीतानधुनिसु निहुनिहुनिजानअवसेरीहै। कौननासहेरीपीरकौननाच हेरीबीरहेरीयहबंशीवनकौननाहिंहेरीहै। पीछेपीछेछेरी सीपछेरीतिन्हैंचेरीराहतीखनआकर्षनके मानोमंत्रप्रेरी है। पंछीज्योंबहेरीहेरीनाथत्योंतियानिवेरीरागिनीअहेरी तीयहीयकीअहेरीहै ३० ॥ ३करनाटपुत्रबधूश्यामपूरियारागि नी स्व०व०स० ॥ प्रातिअंगनमेंघनचंदनचर्चितचारुसी चंदमुखीचपलासी। गुणगूथनमालचमेलीकीचावतेमे लीनवेलीकेसंगसहासी। भलिभूरिसीभौंरकीभीरभरी तितबासदुबासकीबासबिभासी। अतित्यौरिनतेतमके

तियपैयहश्यामसुपूरियानाथकीखासी ३१॥गुण व०घ० ॥ सारीदेहधूरियासीधावतधुमिल्लभईगूरियागरेकीटूटी फूटीजातचूरिया । धरनिधतूरियासीगिरैंतीयदूरियासी मुरझातगातगातपानज्योंकपूरिया । कूरियाँसीगँजी जाहिंमुक्तनरतनढेरताहूकरमेरघरचटकीज्योंमूरिया । तजिव्यारीपूरियाहूनाथपै सिधारींसारी छातीश्यामपूरिया सीकरैंश्यामपूरिया ३२ ॥ ४ करनाटपुत्रबधूसमरफलीरागिनी स्व० व०स०॥ गुरईगुरल्लीकसुमाँगमेंटींककैनीकसी पानकीपीकरचाई । जरतारीकिनारीटँकीउढ़नीघनीबूटीदाऊदीसीऊदीहैछाई । लहँगामहँगाघनदामनके अति लालाविशालप्रबालनिकाई ।गहनेपहनेतनफूलनकेचहुँ पाससुबाससखीसमुदाई ३३ ॥गुणब०घ०॥ सारीदेहदेहदलीभलीयाकीनेहअली छलीकान्हकुंजगलीबंशीमुखमेंरली । मानोअसलीपुलादीतीरपसलीमेंसलीअसलीहै कान्हतानज्ञानध्यानहरली । मुकलीकलीसीनिकलीहै मुखकुंजमनोअलीपुतलीसी अलीझुँकीजातचपली । रतिनाथदलीकीदलीहैदलपलमाहिं रागिनीसमरफली होतज्योंसमरफली ३४॥ ५करनाटपुत्रबधूअलहियारागिनी स्व० व० स० ॥बरचंदनचौकीचढ़ीसोबढ़ीछबिगातअन्हातसुहातछबीले । सबभूषणबस्त्रउतारधरेबिखरेबरबालाबिशालसजीले । नायनखूबअरसायनतेधरिझावैंझवावैंपगेनरमीले । सगरीजोलुगैयाबलैयाअलहैयाकी लेत निरेखतनाथरसीले ३५ ॥ गुण व० घ० ॥ बहियांमरोरमोरसाखियांजगायरहीं घेरैंघोरनींदरमेंबंशीअनुरागि

नी। कहियासेकहतचलततुमआवतिहौंचलनलल्लनल
गहेतुबड़भागिनी। जहियासुनतसखीताहियाफूँकतप्रा
नलागीउदबेगबेगधावोप्रेमपागिनी। दहियालैनाथबाँ
हगहियाकेपासचलौ दुखकीअलहियाअलहियासुरागि
नी ३६ ॥ ६करनाटपुत्रबधूवृन्दाबनीरागिनी स्व० व० स० ॥
कुंजनपुंजनमेंमृदुमंजुल गानकरेपियध्यानधेरेरी। बि
रहाकरखेदसमेदपटेउलटेनिजसांसहिरोमखरेरी। म
लेपीनकुचैकटिछीनलचैखरीफूलछरीसीसखीगनमेरी।
यहवृन्दाबनीञ्चिमिबौरीबनी निजनाथकेसाथकीनीव
लखेरी ३७॥ गुण व० घ० ॥ श्रीराधारमनीघनीठनी हैं
बंशीनेहश्रीराधाबल्लभीसुबल्लभीकुलीधनी ॥ दादूपंथी
गौड़ियासुरामावतनीमावतनान्हकपंथीकबीरपंथी यती
सतीबनी। जंगमयोगीचरणदासीसंन्यासीउदासीरामा
नुजीरामानन्दीअघोरीसबैठनी। दंडीमौनीनाथहंसअ
वधूतपर्महंसवृन्दाबनीरागिनीसुनतधायेवृन्दाबनी ३८
करनाटसखीललितपंचमीरागिनीस्व०व०स०॥सटकारेसे हैंक
चकारेखरेअनियारेदृगैंमतवारेपियारे। द्युतिबालप्रबाल
लसेहुलसेछबिखानसीमानगुमानहिंधारे। बीरीअमी
रीसीसीरीजुबानसेधीरीसीप्यारीकोदेतसुधारे। रति
नाथकेपंचमीतीरसीकोरहैं पंचमीप्यारीसखीढँगन्यारे
३९ ॥ गुण व०घ० ॥ केतीरामाअभिरामारमीरागरंगन
मेंकेतीबामाबागनमेंकरतहुतींबिहार।केतीजमीजमाईब
हारसबख्वारकीन्ही केतीथमींजमींराहसाथीसंगती नि
हार। ऊधमीसी अधमीसीसासुरी ननददीसीबुरेआदमी

सेदीसेनिजनाथहीगँवार। सुनतललितपंचमीसुरागिनी सखीरीभागींत्यागीललितसुपंचमीकेतिवहार४०॥ करनाटसखाष्खारराग स्व० व० स०॥ सूरतिइयामसीमूरति कामसी केलिकेभौननआसनसाजे। तनभीननवस्त्रनमेंभलकैनभपैनदरीसीलसीतिमिछाजे। अलकैंछलकैंदोउकंधनपैरलिमंदिरअंदरसुंदरराजे। सरचौसरमें बरऔसरतेदइखारपखारसखानकोलाजे ४१॥ गुणव० घ०॥ केतीनारकालिंदीकिनारपैकिनारदारसारीछोरछारसारीछूँटीछोरछोरीटार। भारऔबुहारमाहिं केतीजेवनारमाहिंकेतीहीइनारपरछांड़घटपटभार। काहूजेवरजड़ावतीसुनारपैसुनारकाहूतोबजारसैंलछांड़निजफुलवार। खारदेतनारिपियपैरहीपखारमाहिंनाथकोपखारसुनिनैनज्योंभरैंपखार ४२॥ इतिकरनाटरागपरिवारभेदसम्पूर्णम्॥

अथहिंडोलराग परिवारभेद व०॥

स०॥ मानिकखानिककेजड़ेखंभनि लालबिशाल सुपाटकीडोरी। कंचनकीपटुलीअतुलीतेहिपैबिजुलीसमप्रीतमगोरी। भूमैभुकैउभकैमचकै लचकैहचकै पियदेतमरोरी॥ हाहाकरैतियअंकभरैतबनाथहिंडोलअडोलकियोरी १॥ गुण व० घ०॥ बोलीठोलीबोलबोलगोलअरुखोलहूके कहिथाकेघरकरछाकेलखिकैंअबाग। उतरिनिगोलनतेरसीनाररसीडारगोलनकीगोलगलीगलीअलीचलींभाग। लोललोलखगमृगाढिगकेकलोलभूलेधायेजितभूलैंकान्हछायेबंशी तानपाग। चोलकटेफटेधारनाथढिगआईडोलतुरतहिंडो

लमनसुनतहिंडोलराग २॥ १ हिंडोलपत्नीदीपिकारागि
नी स्व० व० स०॥ निजपौरीपैदौरीसुसांझकेमाँझलि
येकरदीपकदीपतिदूनी। कुसुमावलिदिव्यदिपावलिते
शुचिसेजसवाँरतधूपकीधूनी। पहनेबरअंबरजेवरहूप
लिकाकलिकासेसजीमणिचूनी। हितनाथकेसाथमिला
पकेकारनद्वारनपैपरखैदृगखूनी ३॥ गुण व० घ० ॥सारी
जीविकाहूकरकाजलाजहूबिसारी खेतीबारीवारीहूगँवा
रीभईरागिनी। पीविकाबकेनपयकीजोहैंसुखेनप्यारीसो
ऊनेहनीविकासीभईहैंसुभागिनी। सीविकाचढ़नहारी
भारीधनवारीनारीवाहूबनपगधारीनाथलवलागिनी।
द्वीपिकासीग्रामवारीनारीउरतमहीकोदीपिकासीभईयह
दीपिकासुरागिनी४॥ २हिंडोलपत्नीदेशकाररागिनी स्व० व०
स०॥ यहकामिनिकीद्युतिदामिनिसी सबयामिनिजा
गीलखैचहुँओरे। दोउनैनचुनींदेउनींदेबनेझुँकिझांके
सखीनिजनैनकीकोरे। द्युतिदर्पणतेमुखदेखतिदर्पणदाग
सुरागमलैमुखमोरे। देशकारैसँवारैशिंगारैसखीनिजना
थकेमंदिरअंदरभोरे ५॥ गुणव०घ०॥ ठानताशिकारज
नुमनमीनलैनिकारकठिनकूपारहियेमेंतेबंशीलागिनी।
करतींविचित्रकारचित्रकेअकारआली विविधप्रकारमि
त्रताकरैंसुभागिनी। निर्बिकारकरैंतीयहीयकमनीयबंशी
सुधासमपीयताहिभईपीयत्यागिनी। नाथसाथसाँझहू
सकारलौंभिरींजोनारदेशकारभूलींसुनि देशकाररागिनी
६॥ ३ हिंडोलपत्नीबरारीरागिनी स्व० व० स०॥ अबला
कलासोहतज्योंचपलारातिमूरतिसीरतिधाममेंराजे। क

रकंजपैगोलकपोललसैकमलासनपैजनुचंदबिराजै। स
खितेनहिंबोलतडोलतहैदृगनींदजोशेषविशेषतेछाजै।
निजनाथकेसाथकीआशाकिये यहप्यारीबरारीहियेलिये
लाजै ७॥ गुण व० घ०॥ भारीबेकरारीभईतीयहीयबंशी
सुने करारीकचौरीकरिबेकोसोभुलाईहै। तारीठोंककहै
गुनकचौरीकचौरीमोते मेरीबराबरीअरीकोनसीलुगाई
है। मारीगईताहूकीसुगतिमतिरसोईते भईबिमारीकी
धुनिबंशीनेभुलाई है। करतहुतीजोनिजगेहमेंबरीबरा
री सोऊनाथरागिनीबरारीसुनिधाईहै ८॥ ४ हिंडोलपत्नी
मालवीरागिनी स्त्र० व० स०॥ साँझसमैबनमाँझसिधाय
नचायकेमोरहिआपहुनाचे। नाथकेसाथमिलापकेहेत
कियेहियेहेतशिंगारहिराचे। केलकेकाजअकेलगईब
नखेलकरैपशुपंछिनजाँचे। मालवीनारसीमालवीसो
हत मोहतहैरतिरूपहिसाँचे ९॥ गुणव० घ०॥ जपी
गालवीसुतीयतपीपर्मपूजनीय सोऊबिह्वलहीयबंशी
सुनिआवती। ढालवीभैघननीरउलटैबहैसमीर पेड़
पालवीहूपातीमुरझीदिखावती। जाह्नवीहूयमुनाहूउल
टीधारैंपधारैं शंकरकेआदिनादयादहूभुलावती। माल
वीतियाजोफूलमालवीनगूँधतमें सोऊनाथमालवीकी
सुनिधुनिधावती १०॥ ५ हिंडोलपत्नीपाहिड़ारागिनी स्त्र०
व० स०॥ देशहित्यागिबिदेशचलेपिया लागेअँदेशति
याहियामेरी। लेतउसासउदाससीसूरति पूरतिहैदृगआँ
शुघनेरी। आनकीआननदानसीबोलति आलिनतेअ
तिशैबहुबेरी। पाहिहीपाहिकहैनिजनाथते पाहिड़ापां

यनकोगहिघेरी ११ ॥ गुणव० घ० ॥ बंशीकीछिड़ीछि
ड़ातेमौनभयेचिड़ीचिड़ा भिड़ीभिड़ाआपुसमेंकरैंएक
ठौरीरी। गृहजनआपसिड़ीसिड़ासमहोयहोय चलिवे
कोकहैंगिड़ीगिड़ासखीपौरीरी । बासाबिड़ारीहैपिड़ा
रीचलीलटनज्यों उमगिउछाहिड़ासीनाथबन्नदौरीरी।
आहिआहिपाहिपाहिबोलैंगुणमाहिड़ाहू पाहिड़ासुरागि
नीसुनतभईबौरीरी१२॥६ हिंडोलपत्नीमरहठीरागिनी स्व०
घ० स० ॥ अतिमानगुमानकियेपतिते रतिमेंअतिरोस
मसोसपियारी। बहुबारहिबारबिगारकेबारहि चारुशिं
गारुसबैतजिडारी। बरधारकेतारलगेदोउनैननि बैननि
ब्यंगकीचालनिकारी। मरहट्ठीइकट्ठीसीहट्ठीबड़ी निज
नाथकेपाँवपरेझटकारी १३ ॥ गुणव० घ० ॥ छठीदूध
यादपरेकान्हतानकानपरे शठीमतिकीसीउकठीसीनारि
धुनिगुनि। इकठीकीइकठीगठीहैरायभागनकी कमठी
सीमुड़ीमोड़ैंकाढ़ैंसबैपुनिपुनि। भठीसीभभाकिउठीहिये
बिरहागजाग भागजिमियोगीमठीत्यागजियगुनिगुनि।
मरहठीहठीतीयकीसीगठीकाछकाछे आगेपाछेभाजी
जातनाथमरहठीसुनि १४॥१ हिंडोलपुत्रशंकराभरनराग
स्व० ब० स० ॥ बहुफूलनकेशिरटोपधरे अतिओपभरे
मणिमालललसोहे । मृदुमाखनसेचितचारुसेचंदन च
र्चितपूरकपूरसेबोहे। पटपीतछटालपटासेलटा बिधुबा
लसेभालसुनैनललोहे। शँकराभरनैबरनौकिमिनाथ सु
हाथमेंबीनप्रबीनसेसोहे१५॥ गुणव० घ० ॥ सृष्टिसिरज
नहारहूकीहियादृष्टिमूँदी सुधावृष्टिकीसीबंशीसुनिभूली

मतिही। शयनकरनहारेसुधासिंधुसोऊहारे रहीनहींनेक थिरसुधिबुधिगतिही। सकलसुरनकोबेहालहालहोतज हाँ तहाँपैनरनकोहवालकाकुलतिही। शंकराभरनरागधु निसुनिबाँसुरीमेंनाथशंकराभरनछाँड़िधायेआतिही १६॥
२ हिंडोलपुत्रसुमतिबिलासराग स्व०ब०स०॥ चित्रभवनबिच चित्रितआसन भूषणबस्त्रबिचित्रसजाये। रूपमदनूस मश्यामलकोमल सोहैसहाससुबासाहिछाये। बैसनवल् नवयौवनसेतन संगसखागणहैंमनभाये। नाथसुघरति यकेहियकेमन भावतनाचतभावबताये १७॥ गुणव० घ०॥ बाससुरकेसेहैंनिवासखासमथुराको सबहीसुपास पासदेवीदेवनाईहै। सासहूससुरजासआरतीउतारैता स धनदाबिलासखाससुखरासछाईहै॥ सोऊतियापिया तेनिरासआतिहीहिरास जबहींतेश्रीनिवासबाँसुरीबजा ईहै। तजिनिजनाथसाथसुमतिबिलासहास सुमतिबि लासरागसुनबनधाईहै १८॥
३ हिंडोलपुत्रतिलकमोदराग स्व०ब०स०॥ गरबीलेछबीलेरूपाकरसे सुरसीलेसुबर्ण सिंहासनसोहै। पियप्यारीसँवारीशिंगारीखरी अँकवा रीभरीनिरखैत्तिरछोहै। मुखईखतहाससुबासलसे बर बाससुगंधनकेगमकोहै। तिलकैंभलकैंशिरकेसरके स खिसाथसमोदकमोदहियोहै १९॥ गुणव०घ०॥ गोदबि चबालकहीमोदतेरम्हावतींजो सोऊबिलगावतीहैंबिरह अगिनिहुनि। गोदरहीसुईकीसीजाननाथबंशीतानबिष यबिनोदबिषबिषमसमानगुनि। ओदंपटनिपटप्रस्वेदते भयेहैं भटकुम्हिलेकमोदभांतभईपाँततीयमुनि। माथेमें

तिलकमोदतेजोदेतीहुतींतेतीछांड़िश्राईनाथपैतिलकमो
दरागसुनि२०॥४ हिंडोलपुत्रकेदारनटरागस्व०व०स०॥वर
नीकविहेमलतावरनीछहरैजोछटातरनीकिरनी।चढ़िता
जीतुरंगतरंगभरेदृगलालसुरंगमनोहरनी।बलबीरसेहैं
रणधीरमहाभलभूरिभरीभटकीकरनी।यहनाथकेदारन
टैजूडटौतिलहूनहटैरणकीधरनी२१॥ गुण व० घ०॥ श्र
टपटबोलैंबैनखटपटकरैऐनउलटपलटसाजसाजेतीयत
नमें।राजसेविलटजायतऊनाश्रकाजजानैलटछटकाये
लटसीगईहैछनमें।कटकटकरैदाँतरोषतेविकटभाँतहट
हटकहैरौंकेठौंकैजोगमनमें। ऐसीहैकेदारनटजायजोउ
दारनाथसुनतकेदारनटभागीभटबनमें २२॥ ५हिंडोल
पुत्रकमोदनटरागस्व० व० स०॥बरकुंजनपुंजनमाहिंफिरैगु
रुगुंजनभौंरकेदौरसुनेरी।सउमंगसखागणसंगसजेनि
जहाथकेनाथजूहारगुन्हेरी।तरवाकीसुबांकीहथोलिनकी
श्ररुनाइलुनाईज्योंपद्मफबेरी।यहनाथकमोदनटैलपटै
तियदामिनिज्योंभपटैघनकेरी २३ ॥ गुण व० घ०॥
चटपटचौंकपरीश्रोचटउचटपरी नींदहूउछटपरीबंशी
करकरतब। श्रनवटसनवटसभीरीगईरीहटठटबटउल
टपुलटपटहूकुढब।फिरवटकरतकितेकबनभागनकोभ
टपटघरकरकारबारकीन्हीतब।खिलीज्योंकमोदनटजा
तापियप्रीतरीतसुनतकमोदनटरागनाथढिगजब २४॥
६ हिंडोलपुत्रसंक्रमनरागस्व० व० स०॥शीशामहलूमेंनवल
पियराजतमोहेहियाजबजोहेप्रियाको। बनमोरनकेपख
नाटखनाकरहारहियेकुसुमीमोतियाको। बहुगंधसुगंध

लसेहुलसेतनशीशनमेंदिखरावैतियाको। यहनाथसुसं
क्रमनेरमनैनिकलागतहे पिकबानीतियाको २५॥ गुण
व० घ०॥ सबैतनतनउठेरोंगटेसघनउठे पुठेकरकतसा
रेप्रेमकेअछेममें। गनगनकाँपतहेअनमनहांफतहैदेह
दूबरीसीअरीनयेप्रेमनेममें। सनसनबहैपुरवाईचहुंवा
ईतापै ठनठनचलीजैसेदीननेहहेममें। गेहकाजनेह
लाजउमैसंक्रमनलागसुनतसंक्रमनरागत्यागी नाथप्रेम
में २६॥ १ हिंडोलपुत्रबधूचैतीरागिनी ख० व० स०॥ स
खिबारीसीलैफुलवारीफिरै अमलाकमलाचपलाद्युतिदे
ही। गुँथिगुच्छासुफूलकेअच्छासेअच्छा अभुच्छासी
लैकरसुच्छासनेही। कटिकिंकिनिकेकरकंकनके झनकेर
वजोमनकेहरलेही। तरुचैतीसीचैतीअचेतीसीरागिनि
परीबिसागिनिनाथकीनेही २७॥ गुणव० घ०॥ कमनैतीके
कैतीसीकरैंभोरीबारीनारी बंशीसुनिदौड़मारीबनबीच
चंदमुखी। तैंतीकीसीदूधमुखछोराछोरीसोउछोरी दुरु
खीसीभईनईनारिजेतीएकरुखी। घरकीभड़ैतीसाथजा
तनाथश्यामढिग लड़ैतीजूकीहुँसेवासबैलजीसीयदुखी।
सुचेतीसखीहूअचेतीसीप्रेमपागिभई चैतीरागिनीसुन
तचैतीरूखसीसुखी २८॥ १ हिंडोलपुत्रबधूसुघराईरागिनी
ख० व० स०॥ केलिकेधामरचीनिशियाम लचीकटिछा
मसुबामसखीरी। अभिराममहागुणग्रामसुकामके भाम
सीभूषणबस्त्रलसीरी। मणिमालविशालगुहैनिजनाथके
हेतअचेतानिकेतलखीरी। सुघराईकीकासुघराईकहौं नि
खराईहैचाँदनीज्योंबदरीरी २९॥ गुणव० घ०॥ सकल

लुगाईतनाविकलपराईबन मानहुपराईधनकीसीबनधा ईहै। गृहकाजमेंभिराईसोऊजानहूहिराई थिराईनकोऊ घरकरतलराईहै। दवराईमाहिंकेतीश्राभरणाहूगँवाई झवाँसीझवाँईश्रमतेगईनिकाईहै। नाथढिगभागनिज भागउघराईजनु सुघराईरागिनीकीसुनिसुघराईहै ३०॥

३ हिंडोलपुत्रबधूकाफीरागिनी स्व० ब० स०॥ चितचाहीस खीगलबाँहीदिये तियधाईझरोखनिझाँकहिझूके। श्र नहोनीसीलोनीसलोनीसीसाँबरि बारमनोश्राँधियारकुहू के। श्रोठैंसुमानिकनीलमखानिक गातलसेपिकसेनिक कूके। यहकाफीहैकाफीसुरागनमें श्रनुरागनमेंनिजनाथ श्रभूके ३१॥ गुणव० घ०॥ जाफीभईश्रापीश्रापकानसुनि कान्हतानझाँपीतेनिकारतरहीजोसाजचुनिकेपूरणप्रता पीपरितापी बिरहाश्रनलब्यापीश्रंगश्रंगनमें श्रंगनाके हुलिके। साफीसाफमेंजोलगीभंगीरंगीप्रीतमके सोऊश्र तिहाफीगुनिमुरलीकेधुनिके। ब्रजनाथबंशीमेंबजाईखूब साफीसाफकाफीभईखुशीकी सुकाफीधुनिसुनिके ३२॥

४ हिंडोलपुत्रबधूलीलावतीरागिनीस्व० व० स०॥ सुखशालि नश्रालिनकेगणमें निजभागसुहागसुरागसुनावै। मुकु रालयमेंलयनाथमेंक्वैशिरलालय पागहिश्रापबँधावै। गुणरूपकीश्रागरशीलकीसागर नागरपीयकेसाजसजा वै। यहलीलावतीबहुलीलावती श्रतिपूछैसखीसनकै सोसुहावै ३३॥ गुणव० घ०॥ शशिकीकलावतीसीपद पदमावतीसी सेवामाहिंजासुसदासखियाँसुहावती। ऐ सीतीयधावतीजोबंशीसुनिपावतीहै लावतीनवारधनघ

नबनआवती। छुपछुपपथजानपावतीनचंदमुखीचंदते
हुचंदचारुचाँदनीतनावती। नाथललवलावतीहैबंशीमन
भावतीहै लीलावतीरागिनीसुनेतेमतीलीलावती ३४॥
५ हिंडोलपुत्रबधूहरशिंगाररागिनी स्व० ब० स०॥ चलिचि
त्रबिचित्रसेचित्रअगारमें चारुशिंगारसुधारसजावे।
सुखराशकीआशाकियेमनमें तनभूषितचित्रितचैलरचा
वे। निजआलिनमेंभलिचालिनते बरकेसरचंदनखौर
करावे। उरहारशिंगारकेहारसजै तियहारशिंगारबिहार
कीचावे ३५॥ गुणब० घ०॥ करतरहीजोहरशिंगारहि
कोशिंगार सोउनारदीन्हीहैबिगारहियहारीहैं। सपनेहू
काहूतेबिगारजोनकीन्हीदार उनहूंअगारमाहिंभीनीरार
भारीहैं। द्वारपैनगारखानेजासुसुखहरखानेसोऊगँवारी
सीभईभारीमतवारीहैं। सुमनहरशिंगारबीनतहुतींजे
नाररागिनीहरशिंगारसोऊसुनिधाईहैं ३६॥ ६ हिंडोलपु
त्रबधूनायकीरागिनी स्व० ब० स०॥सकुचातीननेकहुआ
लिनमें मदमातीसुहातीसुहेमलतासी। द्युतिचंपककंप
कसीभलकैबिथुरीअलकैंछलकैंहगगाँसी। चूनीसीदू
नीदिपैंअँखियाखरीखूनीसीखंजरसीछुरियासी। चहकैल
हकैरतिमेंनिजनाथकेनायकीकीयहलायकीखासी ३७॥
गुणब० घ०॥ जाकीभलीलायकीबलायकीनएकौचाल
सरलसुभायकीजेबालतेऊदहैंप्रान। पायकीजेसुरना
थगायकीगुनीतेगुनी ताहूकोनकायकीनिकायकीनज्ञान
ध्यान। सुरनायकीकेजाहिदावासोऊधावामारैं चोटशाय
कीसीखातफँसीबंशीतानजान। सखियाँबिनायकीहूनाथ

श्यामढिगधाईं नायकीसुरागिनीकेसुनिकेरसीलीतान
३८॥ हिंडोलकासखाबड़हंसराग स्व० ब० स०॥ बड़हं
ससेहैबड़हंससखाछबिअंशसुबंशाकेस्वामिहिंभावै। घन
घोरघटाबिजुलीकीछटा चढ़िऊँचीअटाप्रियकोदरशा
वै। पटभूषणकाँतिजुरीबिजुरी बकपाँतिपताकनभाँति
बतावै। बहुहासबिलासहुलासकरै निजनाथकेसाथस
दाचितचावै ३९॥ गुणब० घ०॥ अतिहिअसंशयप्रशं
सनीयकमनीय रमनीयनिजनाथहीकीनीकीतीयमाहि।
पर्महंसकीसीसोऊबँसरीकीफँसरीमें हंसीहंसहूकीगति
भलअतिहूलताहि। कुलअवतंससोऊसंशयाहिमाहिंभ
रीशारदकीअंशबंशबंशीछरीकाहिनाहि। बड़हंसरागको
शब्दसुनिबंसरीमें बड़हंसबंशहूकेदंशहोतआहिआहि
४०॥ हिंडोलसखीभीमपलासी॥ रागिनी स्व० ब० स०॥ नि
जनाथकेसाथकीदासीरसी यहभीमपलासीलसीचपला
सी। पियप्यारीकीपर्मपियारीसखी उबटैंचुपटैंअँगरागस
हासी। कछुक्रीडातिहैकुचमीडातिहै झिझकैखिझकैअब
लानवलासी। दृगदाँतसुदाड़िमपाँतकीभाँत लसैबिलसै
हुलसैकमलासी ४१॥ गुणब० घ०॥ चारुचपलासीबि
मलासीचंदकेकलासी सुरनवलासीसोऊब्रजतीयहीयहु
नि। जादूकीवलासीबंशीभासीप्यासीप्रानसकी सखीजेसु
मतिवारीवारीप्रानसुनिधुनि। मनवलासीगिगईग्रहश्यामढि
गजाइबेको बिकलासीधावैतीयनाथबनपुनिपुनि। ग्रीषम
मेंसूखतज्योंभीमपलासीसुशाखत्योंहीब्रजनारीसारीभीम
पलासीकोसुनि ४२॥ इतिश्रीरागरागिनिबंशावलिसम्पूर्णम्॥

इस मतबे में जितने प्रकार के रागोंकी पुस्तकें
छपी हैं उनमें से कुछ नीचे लिखी हैं ॥

रागप्रकाश

गढ़अमेठी के राजामाधवसिंहसाहबबहादुर रचित बहुत अच्छे कल्याण खेमटा ठुमरी अद्धा आदि ईश्वर विषयक समय के हैं और इसमें सर्व रागों के प्रमाण भी हैं ॥

रागसंग्रह

कृष्णचन्द्रकबि रचित बहुत अच्छे२ राग हैं ॥

मनमोहन

बलदेवप्रसाद मुदर्रिस रचित जिसमें समय के अनुसार उत्तमोत्तम राग हैं ॥

युगलविलास

रामसिंहजी रचित जिसमें श्रीकृष्णजी और राधाजी के विचित्र रागों में नानाप्रकार के विलास वर्णनकियेगये हैं ॥

लावनीबनारसी

अर्थात् मरहटी ख्याल काशीगिरि बनारसी परमहंस रचित जिसमें देवता और देवियोंकीस्तुति विशेषकर ब्रह्मकी उपासना ब्रह्मज्ञान उपदेश और हरिभक्तों के ज्ञानकी दृढ़ता के निमित्त श्रीकृष्णचन्द्रजीकी बालक्रीड़ाका वर्णन है ॥

शृङ्गारबत्तीसी

महाराजामानसिंहजी रचित ॥

भजनमाला

बाबूराजकुमार देवनन्दनसिंह रचित इसमें उत्तम भजनहैं ॥

श्रीकृष्णगीतावली

मुंशीमहावीरप्रसादसाहब स्याहानवीस तहसील महाराजगंज रचित इसमें चुनेहुये और उमदा२ भजन हैं ॥

नवरत्नभाष्य

बाबूश्यामसुन्दरलाल रचित जिसमें रासलीला के सम्पूण पद और गाने के दोहे लिखेहुये हैं ॥

वीणाप्रकाश

तर्जुमा क़ानूनसितारभाषा कृत पण्डित प्यारेलाल, इसमें सितारों के ठाठ, परदोंपर सीखनेकेलिये अंक, मिज़राब वग़ैरह की तरकीब, और मीड़ों के क़ायदे और अन्त में सब राग और रागिनियां भी पद समेत लिखी हैं जिनसे गानविद्या में बहुत-ही जल्दी बोध होताहै ॥

वंशीलीलाभाषा

श्यामलालजी रचित ॥

प्रेमाऽमृतसार

परमात्मानन्दजी ब्राह्मण रचित ॥

साङ्गीतप्रह्लाद

श्रीनृसिंहावतार व प्रह्लाद भक्त का गानमें उत्तम चरित्रहै ॥

इन्द्रसभा

अमानत व मदारीलालजी की ॥

बारहमासाबेणीमाधव

इसमें बियोग का वृत्तांतहै ॥

मनमोहनी

बन्नापुरके अफ़्सरमुदर्रिस हफ़ीज़ुल्लाहखां संग्रहीत जिसमें जितनी राग आदिकी किताबें छपी हैं उनसे निहायत अच्छी चटपटी २ दोहा मिलीहुई ग़ज़लें और बहुत उत्तम उत्तम गाने वाले प्रसिद्ध भजन, होली, ठुमरी, चौमासा, बिहाग, भैरवी, दादरा और नानाप्रकारके दिलपसन्द मज़ेदार मनहरण दोहे सोरठे कबित्त सवैया अपने शौक़ीन मित्रों के केवल दिल बहलानेके वास्ते लिखेगये हैं ॥